गोरखपुर से प्रकाशित
RNI Reg. NO. UPBIL/2023/87841

Si न्यूज़

साप्ताहिक
स्वदेशी इनक्रेडिबल
Web:www.sinews.in/E-mail: info@sinews.in
सिर्फ सच के साथ...

वर्ष : 02 अंक: 51 | गोरखपुर रविवार 01 जून 2025 | मूल्य- 02 रूपया | पृष्ठ - 8

ऑपरेशन सिंदूर आत्मनिर्भर भारत की सफलता का उदाहरण है: सीएम योगी

संवाददाता

कानपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार उत्तर प्रदेश आगमन पर सीएम योगी ने उनकी जमकर सराहना की और बधाई दी। सीएम योगी ने भारतीय सेना के पराक्रम को सलाम करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में भारत के शौर्य और पराक्रम के कारण आज पूरी दुनिया भारत के शक्ति और सामर्थ्य को एक उदाहरण के रूप में मान रही है। सीएम योगी ने कहा कि भारत की न्यू डिफेंस पॉलिसी के अंतर्गत दुश्मन के एयर डिफेंस सिस्टम को नष्ट करके भारतीय सेना जिस शौर्य और पराक्रम का परिचय दिया है, यह प्रधानमंत्री मोदी के द्वारा 10 वर्ष पूर्व प्रारंभ किए गए मेड इन इंडिया की उस ताकत का भी एहसास दुनिया को करवाता है जो इस बार ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से दुनिया ने देखा है। यह आत्मनिर्भर भारत की सफलता का भी एक बेहतरीन उदाहरण है।

47,600 करोड़ की परियोजनाएं विकसित भारत की नींव- सीएम

सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश को मिली 47,600 करोड़ की परियोजनाएं विकसित भारत की नींव है। सीएम योगी ने मां गंगा के पावन तट पर बसे औद्योगिक नगरी कानपुर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत करते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के उपरांत देश के यशस्वी प्रधानमंत्री का उत्तर प्रदेश की धरती पर यह प्रथम आगमन है। मैं प्रदेशवासियों की ओर से उनका हृदय से स्वागत करता हूं। यह धरती कभी औद्योगिक क्रांति की अग्रदूत रही है और आज विकास की नई गाथा लिखने जा रही है।

ऑपरेशन सिंदूर भारत की सैन्य शक्ति और आत्मनिर्भरता का प्रतीक- योगी आदित्यनाथ

सीएम योगी ने ऑपरेशन सिंदूर को भारत की सैन्य शक्ति और आत्मनिर्भरता का प्रतीक बताते हुए कहा कि पहले सर्जिकल स्ट्राइक, फिर एयर स्ट्राइक और अब ऑपरेशन सिंदूर, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारतीय सेना ने दुनिया को दिखा दिया कि भारत अब जवाब देने में नहीं, जवाब देने की शैली भी तय करने में यकीन रखता है। यह मेड इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत की सशक्त मिसाल है। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा कानपुर में 47,600 करोड़ की परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किए जाने पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कार्यक्रम उत्तर प्रदेश को विकसित भारत के ग्रोथ इंजन के रूप में आगे बढ़ाने का एक बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2021 में पीएम मोदी द्वारा शुरू की गई कानपुर मेट्रो के पहले चरण के बाद अब दूसरे चरण का लोकार्पण हुआ है, जिससे शहर का पब्लिक ट्रांसपोर्ट सिस्टम आधुनिक और सुविधाजनक बनेगा।

कानपुर में बोले प्रधानमंत्री मोदी...

किसी धोखे में ना रहे पाकिस्तान, अभी खत्म नहीं हुआ ऑपरेशन सिंदूर

मोदी ने हुंकार भरते हुए कहा कि हमारी बहनों-बेटियों का वही आक्रोश ऑपरेशन सिंदूर के रूप में पूरी दुनिया ने देखा है। हमने पाकिस्तान में आतंकियों के ठिकाने, घर में घुसकर, सैंकड़ों मील अंदर जाकर तबाह कर दिए। उन्होंने कहा कि हमारी सेना ने ऐसा पराक्रम किया कि पाकिस्तानी सेना को गिड़गिड़ा कर युद्ध रोकने की मांग करने पर मजबूर होना पड़ा।

संवाददाता

कानपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उत्तर प्रदेश के कानपुर में 47,600 करोड़ रुपये की लागत वाली 15 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। अपने संबोधन के शुरूआत में मोदी ने कहा कि यह विकास कार्यक्रम 24 अप्रैल को होना था, लेकिन पहलगाम में हुए आतंकी हमले के कारण मुझे अपना कानपुर दौरा रद्द करना पड़ा। पहलगाम में हुए कायराना आतंकी हमले में कानपुर के बेटे शुभम द्विवेदी ने भी अपनी जान गंवा दी। बेटी ऐशान्या का दर्द और गुस्सा हम सबने महसूस किया है। हमारी बेटियों का दर्द और गुस्सा दुनिया ने ऑपरेशन सिंदूर के रूप में देखा। मोदी ने हुंकार भरते हुए कहा कि हमारी बहनों-बेटियों का वही आक्रोश ऑपरेशन सिंदूर के रूप में पूरी दुनिया ने देखा है। हमने पाकिस्तान में आतंकियों के ठिकाने, घर में घुसकर, सैंकड़ों मील अंदर जाकर तबाह कर दिए। उन्होंने कहा कि हमारी सेना ने ऐसा पराक्रम किया कि पाकिस्तानी सेना को गिड़गिड़ा कर युद्ध रोकने की मांग करने पर मजबूर होना पड़ा।

स्वतंत्रता संग्राम की इस धरती से मैं सेना के इस शौर्य को बार-बार सैल्यूट करता हूं। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि मैं फिर कहना चाहता हूं कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जो दुश्मन गिड़गिड़ा रहा था, वो किसी धोखे में न रहे।

संजय राउत ने ऑपरेशन सिंदूर के राजनीतिकरण का लगाया आरोप

एजेंसी

नई दिल्ली। शिवसेना (यूबीटी) नेता और राज्यसभा सांसद संजय राउत ने

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा पर तीखा हमला करते हुए उन पर ऑपरेशन सिंदूर का राजनीतिकरण करने और भारतीय सैनिकों द्वारा किए गए सैन्य अभियान का अनुचित श्रेय लेने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की राजनीति देश के प्रधानमंत्री हर राज्य में जाकर कर रहे हैं, यह ऑपरेशन हमारे सैनिकों ने किया है लेकिन इसका श्रेय लेने की होड़ है, हमारे प्रधानमंत्री इसमें सबसे आगे हैं, कोई भी जाकर किसी को सिंदूर की पवित्र व्यवस्था नहीं दे सकता। राउत ने भाजपा पर कटाक्ष करते हुए आरोप लगाया कि पहलगाम के छह आतंकवादी अभी भी फरार हैं। उन्होंने कहा कि पहलगाम के छह आतंकवादियों को इसलिए नहीं पकड़ा जा रहा है क्योंकि हो सकता है कि एक दिन आपको भाजपा कार्यालय से एक प्रेस नोट मिले कि वे छह लोग भाजपा में शामिल हो गए हैं। इस बीच, राउत ने आगे घोषणा की कि विपक्षी दल एकजुट होकर एक पत्र सौंप रहे हैं, जिस पर सभी ने हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में एक विशेष सत्र बुलाने का अनुरोध किया गया है। उन्होंने कहा, "विपक्ष के लोग एक बार फिर आगे आए हैं, और हम राहुल गांधी के नेतृत्व में एक विशेष सत्र के लिए सभी के हस्ताक्षर वाला एक पत्र दे रहे हैं।" इससे पहले, वरिष्ठ कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने के पार्टी के रुख को दोहराया था। उन्होंने कहा कि हमने मांग की थी कि एक सर्वदलीय बैठक होनी चाहिए और प्रधानमंत्री इसकी अध्यक्षता करें।

किसी ने पाकिस्तान को आतंकवादी देश नहीं कहा, यह विफल विदेश नीति का नतीजा: कांग्रेस

एजेंसी

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर के बाद कांग्रेस पार्टी विदेश नीति को लेकर लगातार मोदी सरकार पर हमलावर है। हाल ही में केंद्र सरकार से कई सवाल पूछने के बाद कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने एक बार फिर मोदी सरकार की विदेश नीति पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की विदेश नीति को विफल बताते हुए कहा कि इसका परिणाम ऑपरेशन सिंदूर और उसके बाद देखने को मिला। उन्होंने कहा कि किसी भी देश ने पाकिस्तान को आतंकवादी देश नहीं कहा। यह आपकी विफल विदेश नीति का नतीजा है। फिर आपने ऑपरेशन सिंदूर चलाया और किसी देश ने आपके पक्ष में बयान नहीं दिया। अब ऑपरेशन सिंदूर के बाद कुवैत ने पाकिस्तान पर लगे वीजा प्रतिबंध हटा दिए हैं। केंद्र सरकार पर तंज कसते हुए खेड़ा ने कहा कि ईरान, यूएई और खाड़ी देश पाकिस्तान के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर कर रहे हैं।

गोवा की संस्कृति, विरासत के संरक्षण के लिए पर्यटकों और निवासियों को साथ आना चाहिए : राष्ट्रपति

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को गोवा वासियों को राज्य स्थापना दिवस पर बधाई दी और कहा कि राज्य की संस्कृति और विरासत को संरक्षित करने के लिए पर्यटकों और स्थानीय निवासियों को मिलकर सतत पर्यटन को अपनाना चाहिए और स्थानीय समुदायों का सहयोग करना चाहिए। गोवा को 30 मई 1987 को राज्य का दर्जा दिया गया था।

सम्पादकीय

डेल्टा की घातकता

हाल के वर्षों में उन तमाम घटनाओं ने हर आम भारतीय को विचलित किया, जिसमें हमने लोगों को खेलते वक्त, दफ्तर में काम करते समय, मंच पर नृत्य करते अचानक बेहोश होकर गिरते देखा। इसे साइलेंट हार्ट अटैक के रूप में देखा गया। तुरत-फुरत अस्पताल ले जाने के बाद पता चला कि उस व्यक्ति की तो मृत्यु हो चुकी है। तब कुछ लोगों ने वैक्सीन के दुष्प्रभावों का जिक्र किया, लेकिन कोई अंतिम निष्कर्ष सामने नहीं आया। लेकिन अब एक भारतीय शोध में इस अचानक दिल की धड़कन बंद होने की वजह का पता लगाने का दावा किया गया है। यह तथ्य आईआईटी इंदौर और आईसीएमआर के सहयोग से किए गए नये शोध में सामने आया है। शोध बताता है कि कोविड-19 का डेल्टा वैरिएंट पिछले दिनों की साइलेंट हार्ट अटैक की घटनाओं की वजह बना है। साथ ही कुछ लोगों में थायराइड के अनियंत्रित होने की वजह भी इसी वैरिएंट को बताया गया है। बताया जाता है कि हाल ही में, यह शोध जर्नल ऑफ प्रोटिओम रिसर्च में प्रकाशित हुआ है। यह खुलासा ऐसे समय में हो रहा है जब कोविड-19 के एक नये वैरिएंट ने एशिया और अमेरिकी देशों में लोगों को अपनी चपेट में लेना शुरू कर दिया है। भारत में भी कुछ मौतों के साथ इसके संक्रमण के बढ़ते मामले दर्ज किए जा रहे हैं। दरअसल, आईआईटी इंदौर और भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के साझे प्रयास से हुए शोध में 3134 मरीजों के जुटाए डेटा का उपयोग करके इसे अंजाम दिया गया। जिसमें कोविड-19 की पहली और दूसरी लहर के दौरान मूल वैरिएंट, अल्फा, बीटा, गामा व डेल्टा वैरिएंट से संक्रमित रोगियों के शरीर के रसायनों में विभिन्न बदलावों से जुड़े डेटा का विश्लेषण किया गया। इसमें शारीरिक रसायनों में आए बदलाव के साथ ही स्पाइक प्रोटीन के संपर्क में आने वाले फेफड़ों और कोलन सेल का भी विश्लेषण किया गया। हालिया शोध में शोधकर्ता इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि डेल्टा वैरिएंट ने हार्मोन संतुलन बिगाड़ने में बड़ी भूमिका निभायी। दरअसल, शोध में पाया गया कि डेल्टा वैरिएंट के चलते मानव शरीर में रासायनिक असंतुलन पैदा हुआ था। फलतरू कैटेकोलामाइन और थायराइड हार्मोन पैदा करने की प्रक्रिया में अवरोध उत्पन्न हुआ। जिसकी वजह से कोविड से उबरे लोगों में कालांतर साइलेंट हार्ट अटैक और थायराइड में व्यवधान की स्थितियां पैदा हुई। इसी हालिया अध्ययन में यह भी खुलासा हुआ कि कोरोना के शिकार हुए लोगों में स्वस्थ होने के बावजूद, उनके शरीर में यूरिया और अमीनो एसिड मेटाबोलिज्म में व्यवधान होने की पुष्टि भी हुई है। दरअसल, अचानक होने वाली मौतों, जिसे आमतौर पर साइलेंट हार्ट अटैक कहा जाता है, में वे लक्षण नहीं दिखाई देते जो सामान्यतरू हार्ट अटैक होने पर नजर आते हैं। मसलन बेचैनी, पसीना आना, सीने में दर्द होना और सांस फूलने जैसे लक्षण दिखाई नहीं दिए। इसमें व्यक्ति कटे पेड़ की तरह अचानक नीचे गिर जाता है, जब तक उसके उपचार की कोशिश होती है तब तक पता चलता है कि उसकी मृत्यु हो चुकी है। दरअसल,यह स्थिति कार्डियक अरेस्ट से भिन्न है, जिसमें दिल की धड़कन बंद होती है।

राशिफल

मेषः- मधुरवाणी से संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। जीविका क्षेत्र में लाभ के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। पारिवारिक दायित्वों की समय से पूर्ति हेतु प्रयत्नशील होंगे। जीवन साथी के स्वास्य का ध्यान रखें।

बृषभ मन प्रसन्न व उत्साहित रहेगा। प्रियजनों का सानिध्य प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्य सार्थक होने का योग है। नौकरी का वातावरण सुखद होगा। शिक्षा-प्रतियोगिता की दिशा में परिश्रम तीव्र होगा।

मिथुनः- आर्थिक क्षेत्र में आप कुछ नई योजनाओं को सार्थक करेंगे। कोई व्यक्तिगत संबंध परिवार में विवाद का कारण बन सकता है। प्रणय संबंधों को लेकर मन में चिंता होगी।

कर्कः- पूर्वाग्रहवश मन में किसी प्रकार की शंका न पालें। गलतियों को स्वीकारते हुए सगे-संबंधों में क्षमायाचक बने और शांत भाव से अच्छे कायरे द्वारा उसकी प्राश्चित भी करें।

सिंहः- पुरानी गलतियों से सीख लेते हुए वर्तमान को सुधारें। परिवार को सुव्यवस्थित चलाने में आपका विशेष योगदान होगा। किसी संबंध को लेकर पूरे परिवार के विरोध का सामना करना पड़ेगा।

कन्याः- मन ढ़ेर सारे पूर्वाग्रहों से प्रभावित होगा। पुरानी बातों को भूलकर वर्तमान के साथ समझौता करें। मन पर नियंतण्रख कर्त्तव्यनिष्ठ बने। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद संभव।

तुलाः- आज सकारात्मक सोच को अपनाते हुए जीवन को सही दिशा की ओर केंद्रित करें। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव।

वृश्चिकः- आज परिजनों के सुख-दुख से प्रभावित मन परिवार को एकजुट रखने में केंद्रित होगा।

धनुः- निराशावादी विचारों को त्याग आशावादी बनें। नाजुक संबंधों के बीच भावनात्मक कष्टों को भूल वर्तमान को बेहतर बनायें। परिवार में खुशहाल माहौल रहेगा।

मकरः- मन सुंदर विचारो से सिंचित होगा। धार्मिक व पारंपरिक कायरें की ओर मन केंद्रित होगा। नये कायरें में संलग्नता से लाभ संभव। आलस्य का त्याग करें।

कुंभः- अपने सुख-दुख को छोड़ परिजनों के सुख के बारे में सोचें। सामान्य दिनर्चया के साथ बीत रहे जीवन में उत्साह का अभाव रहेगा। नयी आकांक्षाएं मन को उद्वेलित करेंगी। पुराने संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी।

मीनः-ः- किसी अचल सम्पत्ति को लेने की योजना बन सकती है। कार्यक्षेत्र के किसी सहकर्मी से मतभेद संभव। धनागम की नयी युक्तियों पर मन केंद्रित होगा।

हिंदी पत्रकारिता: दो सदी पर खड़े कुछ अहम सवाल

अरविंद कुमार सिंह

30 मई 1826 को बंगलाभाषी कोलकाता से हिन्दी का पहला अखबार उदन्त मार्तण्ड 500 प्रतियों के साथ आरंभ

हुआ। केवल 79 अंक निकले और इसका जीवनकाल एक साल सात माह रहा। 4 दिसम्बर 1826 को यह बंद भी हो गया। इसके संस्थापक पं. युगलकिशोर शुक्ला ने हिन्दी पत्रकारिता की आदि प्रतिज्ञा निर्धारित की, श्हिन्दुसस्तारनियों के हित हेतुश। 1976 में आपातकाल के दौरान जब इसके प्रकाशन का 150 साल हो रहा था तो लखनऊ में हजारी प्रसाद द्विवेदी के अध्यक्षता में पत्रकारों के जमावड़े के बीच 30 मई को पत्रकारिता दिवस मनाने का फैसला हुआ। तब से अब तक हिंदी हिंदी पत्रकारिता का जमीनी आधार बहुत मजबूत हो चुका है। हिंदी में नए अखबारों के साथ स्थापित अखबारों के नए संस्करण निकल रहे हैं। वेतन और सुविधाओं के मामले में हिंदी पत्रकारों की दशा पहले से बेहतर हुई हैं। इलेक्ट्रानिक मीडिया के विस्तार के बावजूद हिंदी और भाषाई अखबारों का प्रसार बढ़ता जा रहा है। चैनलों और सोशल मीडिया के प्रवाह के बाद भी खबरों को विस्तार से जानने का सबसे भरोसेमंद साधन हिंदी और भाषाई अखबार ही बने हुए हैं। अधिकतर चैनल और सोशल मीडिया पर भी हिंदी और भारतीय भाषाएं ही मजबूत हैं। देश की राजधानी रहने के कारण कोलकाता 5 भाषाओं की पत्रकारिता का प्रारंभिक केंद्र रहा। अंग्रेजी पत्रकारिता (1780), बांग्ला पत्रकारिता (1818), उर्दू और फारसी पत्रकारिता (1822) में आरंभ हुई। पर हिन्दी पत्रकारिता का अजीब दुर्भाग्य यह रहा कि पं. युगलकिशोर शुक्ल8 का कोई चित्र भी नहीं मिलता। सप्रे संग्रहालय के संस्थापक विजयदत्त श्रीधरजी ने इस विषय पर काफी काम किया है। उनका कहना है कि कुछ लोगों ने आचार्य शिवपूजन सहाय के चित्र को शुक्ला जी के चित्र के रूप में प्रसारित कर रखा है। यह खुशी की बात है कि माधवराव सप्रे स्मृति समाचारपत्र संग्रहालय एवं शोध संस्थाान उदन्ते मार्त्तण्ड की द्वि शताब्दी समारोह श्रृंखला 21 जून, 2025 से आरंभ कर रहा है जो 30 मई, 2026 तक चलेगा। आजादी के पहले भारत में किसी हिंदी अखबार की प्रसार संख्या 30 हजार से ज्यादा नहीं थी आज इनका व्यापक प्रसार है। विशुद्ध क्षेत्रीय माने जाने वाले कई अखबार चाहे वे कहीं से निकल रहे हों, उन्होंने राष्ट्रीय कहे जाने वाले अखबारों को भी पीछे छोड़ दिया है। ग्रामीण अंचलों में उनकी जड़ें मजबूत हैं। हिंदी पत्रकारिता ही नहीं विश्व पटल पर हिंदी की हैसियत भी इतनी बढ़ चुकी है कि10 जनवरी, 2006 के बाद से विश्व हिंदी दिवस भी मनाया जा रहा है। दुनिया के कई विश्वविद्यालयों में हिंदी पढ़ाई जा रही है और तमाम बहुराष्ट्रीय कंपनियां अपने लोगों को हिंदी सिखा रही हैं। अपनी शक्ति के कारण ही हिंदी विश्व में बोली जाने वाली तीसरी सबसे प्रमुख भाषा बन सकी है। अंग्रेजी और मंदारिन के बाद हिंदी का स्थान है। फिर स्पेनिश और फ्रेंच का। पहले शिकायतें होती थी कि हमारे नेता हिंदी में नहीं बोलते हैं, लेकिन अब ये बात भी नहीं है। भारत 120 करोड़ मोबाइल फोन धारकों के साथ दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा दूरसंचार बाजार है। गरीब की झोपड़ी से लेकर अट्टालिकाएं तक संचार और सूचना क्रांति से आलोकित हैं। भारत में इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या 94.49 करोड़ तक पहुंच गयी है। इस ताकत पर भी हिंदी की शक्ति में काफी इजाफा हुआ है। हिंदी भाषी इलाकों में साक्षरता की दर तेजी से बढ़ी है लिहाजा बड़ा पाठक वर्ग, दर्शक या श्रोता इससे जुड़ रहे हैं। अंग्रेजी के कई नामी पत्रकारों और दिग्गज नेताओं और मंत्रियों को भी हिंदी अखबारों में छपने का मोह प्रायरू दिखता रहता है। विभिन्न माध्यमों के विस्तार के बाद भी हिंदी अखबारों और पत्रिकाओं की हैसियत काफी अधिक है। उनके रंग-रूप और कलेवर बदल गए और खबरों की दुनिया भी। अंग्रेजी राज में अंग्रेजी पत्रकारिता को शासन से विशेष महत्व मिलता था, जबकि भाषाई पत्रकारिता का बागी तेवर था। तभी 1857 में लार्ड केनिंग का सबसे बड़ा प्रहार भाषाई पत्रकारों पर हुआ। तबसे नीति निमार्ताओं के नजरिए में खास बदलाव नहीं आया है। खबरों के स्त्रोत को देखें तो पता चलता है कि हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं का पत्रकार भले ही जमीनी संपर्कों के आधार पर बड़ी से बड़ी खबर ब्रेक कर दे पर उच्च नौकरशाही के स्तर पर उसे सीमित जानकारी केवल सूचना अधिकारियों के माध्यम से मिलती है। राजनीतिक नेतृत्व जरूर भाषाई पत्रकारों को महत्व देता है क्योंकि वोट मांगना हो या फिर जनता के बीच संवाद, वह अंग्रेजी में संभव नहीं है। इस कारण महत्व देना पड़ता है। नौकरशाही आज भी हिंदी पत्रकारिता के प्रति अलग नजरिया रखती है। आज भी हिंदी में अनुवाद की पत्रकारिता का बोलबाला बरकरार है और कई हिंदी अखबारों पर टीवी चैनलों और सोशल मीडिया की भाषा का असर भी साफ दिखता है। यह गिरफ्तारी इस आधार पर नहीं बल्कि सत्ता को आईना दिखाने वालों को सबक सिखाने के लिए है। यह बताने के लिए कि, श्सावधान, ऐसा लिखोगे तो कुचले जाओगेश। नाम का ध्यान तो केवल इसलिए रखा जाता है कि इससे मुद्दा बनता है, चीखने वाली बहस बनती है। आप बहस करना बंद कर दीजिए, मुद्दा खुद अपनी मौत मर जाएगा लेकिन इसमें किसकी दिलचस्पी है? जिस मीडिया को ऑपरेरशन सिंदूर के दौरान ही कम लोगों ने देखा, उसे जिंदा रखने के लिए ऐसे ही मसलों की तलाश रहती है। अगर आप विजय बनाम अली करते रहेंगे तभी तो कहानियां बनती रहेंगी।

कुछ खास...

अलग हुए ट्रंप और मस्क

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीबी और उनके प्रशासन में डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी (डीओजीई) अर्थात प्रशासनिक दक्षता विभाग के मुखिया एलन मस्क ने अपने पद को छोड़ने का ऐलान कर दिया है। वैसे भी इस पद पर उनकी नियुक्ति मई के आखिरी तक ही थी, क्योंकि उन्हें श्विशेष सरकारी कर्मचारीश का दर्जा मिला था जिसके तहत

हर साल 130 दिनों तक उन्हें संघीय नौकरी में रहने की इजाजत थी। मस्क चाहते तो इस साल की मियाद पूरी कर, अगले साल फिर से इस विशिष्ट सरकारी नौकरी में आने की घोषणा कर सकते थे।पाठकों को याद होगा कि जब ट्रंप ने राष्ट्रपति पद की शपथ ली थी तो किस तरह एलन मस्क ने लगभग झूमते हुए, छोटे बच्चे को कंधों पर बिठाकर उनके सत्ता में लौटने पर खुशी का इजहार किया था। इसके बाद कई अवसरों पर मस्क अपने बच्चे के साथ ट्रंप के साथ नजर आए, यहां तक कि अमेरिकी राष्ट्रपति के ओवल ऑफिस में भी जूनियर मस्क ने ट्रंप को यह कह दिया था कि ये मेरे पापा का ऑफिस है। लेकिन हाल की कुछ घटनाओं में सामने आया कि डोनाल्ड ट्रंप और एलन मस्क के परस्पर संबंधों में कुछ तनाव बढ़ा है। और पहले जैसी गर्मजोशी और शायद विश्वास की बात अब नहीं रही, इसलिए ट्रंप से मस्क ने किनारा कर लिया है। सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर मस्क ने लिखा, श्विशेष सरकारी कर्मचारी के रूप में मेरा तय समय पूरा होने पर, मैं राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को धन्यवाद देना चाहता हूं कि उन्होंने मुझे फालतू खर्च को कम करने का मौका दिया। बताया जा रहा है कि पिछले हफ्ते ट्रंप प्रशासन द्वारा लाए बजट विधेयक में मस्क को खामियां दिखी थीं, जिसका खुला इजहार उन्होंने किया था। बहुत कम अंतर के साथ यूएस हाउस ऑफ रेप्रेजेंटेटिव्स ने बजट विधेयक पास किया है, अब यह सीनेट के पास जाएगा। इस विधेयक पर मस्क की राय थी कि इससे संघीय घाटा बढ़ेगा। मस्क के मुताबिक ये विधेयक डीओजीई में किए जा रहे श्कामों को कमजोरश करता है। जबकि इस बजट विधेयक को ट्रंप ने बड़ा और सुंदर बताया था, इस पर मस्क ने कहा था, श्यह बिल बड़ा या सुंदर हो सकता है? मुझे नहीं पता कि ये दोनों हो सकता है। दरअसल विधेयक में चार ट्रिलियन डॉलर के कर्ज की सीमा को बढ़ाने का प्रस्ताव है जिसका मतलब है कि अपने खर्चों के लिए सरकार अधिक कर्ज ले सकती है, मस्क इससे असहमत हैं। उनके इस बयान के बाद से ही लगने लगा था कि ट्रंप प्रशासन और एलन मस्क के बीच दूरियां बढ़ने लगी हैं। लेकिन ये अकेला मामला नहीं है। जिस तरह से मस्क ट्रंप प्रशासन पर हावी हो रहे थे, उससे दूसरे मंत्रियों को उलझन होने लगी थी। खासकर कर्मियों की छंटनी और खर्च कम करने को लेकर मस्क दूसरे मंत्रियों से उलझते रहे।

अरशद वारसी और उनके परिवार पर एसईबीआई का शिकंजा, शेयर बाजार में धोखाधड़ी के आरोप में लगा एक साल का बैन

बॉलीवुड एक्टर अरशद वारसी और उनका परिवार मुश्किलों में घिरता नजर आ रहा है। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (एसईबीआई) ने अरशद वारसी, उनकी पत्नी और भाई सहित कुल 59 लोगों पर एक साल के लिए शेयर बाजार में ट्रेडिंग से प्रतिबंध लगा दिया है। इस निर्णय के पीछे पंप एंड डंप स्कीम में शामिल होने और निवेशकों को गुमराह कर मुनाफा कमाने के आरोप हैं। हालांकि यह मामला पहली बार 2023 में सामने आया था, लेकिन एसईबीआई ने अब जांच पूरी कर अंतिम आदेश जारी कर दिया है। इस आदेश में सभी आरोपियों पर वित्तीय दंड भी लगाया गया है। एसईबीआई के मुताबिक, अरशद वारसी और उनके करीबी रिश्तेदारों ने एक कंपनी साधना ब्रॉडकास्ट लिमिटेड में जानबूझकर शेयर की कीमतों में हेरफेर की। पहले शेयरों की कीमतें बढ़ाई गईं, और फिर ऊंची कीमत पर उन्हें छोटे निवेशकों को बेच दिया गया। यह पूरी योजना एक प्रकार की पंप एंड डंप स्कीम थी। एसईबीआई ने अपनी रिपोर्ट में खुलासा किया कि इस घोटाले को अंजाम देने के लिए झूठे यूट्यूब वीडियो और पेड प्रमोशनल कंटेंट का सहारा लिया गया। वीडियो में कंपनी के उज्जवल भविष्य, संभावित मुनाफे और तेजी से बढ़ते शेयर मूल्य जैसी बातें करके निवेशकों को आकर्षित किया गया। एसईबीआई ने जिन चैनलों की पहचान की है, उनमें जैम ।क्रअपेवत, डपकबंच ब्सिसे, च्तवपिज ल्जंतं, डवदमलूपेम, प्दकपं ठनसससपी शामिल हैं। वहीं, अब एसईबीआई ने इस मामले में सभी 59 व्यक्तियों पर प्रत्येक 5 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया है। इसके अलावा, सभी से मिलकर कुल 1.05 करोड़ रुपये की अवैध कमाई की वसूली का आदेश दिया गया है। जांच में यह

भी सामने आया कि इस धोखाधड़ी से कुछ लोगों ने कई करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया। उदाहरण के लिएरू गौरव गुप्ता 18.33 करोड़, साधना बायो ऑयल्स प्राइवेट लिमिटेड 9.41 करोड़, मनीष मिश्रा 5 करोड़ का जुमार्ना, अन्य प्रमुख आरोपियों पर 1 करोड़ से 2 करोड़ तक का दंड है। इस पूरे मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए अरशद वारसी और उनके परिवार ने दावा किया कि वे मनीष मिश्रा द्वारा गुमराह किए गए हैं। उन्होंने खुद को शेयर बाजार में नए निवेशक बताया और कहा कि उन्हें शेयर ट्रेडिंग की ज्यादा जानकारी नहीं थी। एसईबीआई को मिले व्हाट्सएप चैट्स के मुताबिक, मनीष मिश्रा ने वारसी परिवार को हर एक के खाते में 25 लाख ट्रांसफर करने की पेशकश की थी। एसईबीआई की रिपोर्ट में बताया गया कि अरशद वारसी ने खुद स्वीकार किया कि उन्होंने अपने साथ-साथ अपनी पत्नी और भाई के खातों से भी ट्रेडिंग की थी। उन्होंने ये सभी कदम मनीष मिश्रा के निर्देशन में उठाए थे। एसईबीआई ने जिन 59 लोगों पर कार्रवाई की है, उनमें से 7 व्यक्तियों को 5 वर्षों के लिए शेयर बाजार से प्रतिबंधित किया गया है, जबकि शेष 54 लोगों को 1 साल के लिए किसी भी प्रकार की ट्रेडिंग से रोक दिया गया है।

ढेर सारी खुशियां मिलें..धर्मेंद्र ने बेटे-बहु को दी सालगिरह की बधाई

शेयर की बॉबी-तानिया की शादी की अनदेखी तस्वीरें

बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर धर्मेंद्र के बेटे और फेमस एक्टर बॉबी देओल की आज वेडिंग एनिवर्सरी है। बॉबी अपनी पत्नी तानिया देओल संग अपनी 29वीं सालगिरह मना रहे हैं। इस मौके पर एक्टर को फैंस और करीबी दोस्त, रिश्तेदारों की खूब बधाइयां मिल रही हैं। इसी बीच धर्मेंद्र ने इस खास दिन को और यादगार बनाते हुए कपल की कुछ अनदेखी तस्वीरें शेयर की हैं। एक्टर द्वारा शेयर किया गया ये पोस्ट अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। धर्मेंद्र ने अपने बेटे और बहु को सालगिरह की शुभकामनाएं देते हुए इंस्टाग्राम पर दोनों की अनदेखी तस्वीरें शेयर कीं और कैप्शन में लिखा, मेरे प्यारे बच्चों को शादी की सालगिरह की शुभकामनाएं। जीवन में ढेर सारी खुशियां मिलें। इस बेहद खास दिन का आनंद लें। बता दें कि बॉबी देओल और तानिया देओल ने 30 मई 1996 को शादी की थी। शादी के बाद कपल ने दो बेटों आर्यमान और धरम देओल का स्वागत किया था। आज 30 मई 2025 को वे अपनी 29वीं वेडिंग एनिवर्सरी मना रहे हैं।

धोखे का खेल शुरू, प्राइम वीडियो ने लॉन्च किया द ट्रेटर्स का धमाकेदार ट्रेलर

प्राइम वीडियो ने आज अपने अपकमिंग अनस्क्रिप्टेड ओरिजिनल शो द ट्रेटर्स का धमाकेदार ट्रेलर लॉन्च कर दिया है। इंटरनेशनल हिट रियलिटी सीरीज के इस इंडियन एडैप्टेशन को करण जौहर होस्ट कर रहे हैं। शो 12 जून से प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगा, और हर गुरुवार रात 8 बजे नया एपिसोड आएगा, जो एक ग्रैंड फिनाले की ओर ले जाएगा। धोखे और चालबाजियों से भरपूर इस रियलिटी सीरीज के पहले सीजन में 20 सेलिब्रिटीज हिस्सा ले रहे हैं। इनमें अंशुला कपूर, अपूर्वा, आशीष विद्यार्थी, एलनाज नौरोजी, हर्ष गुर्जराल, जान्नत जुबैर, जान्वी गौर, जैस्मिन भसीन, करण कुंद्रा, लक्ष्मी मांचू, महीप कपूर, मुकेश छाबड़ा, निकिता लूथर, पुरव झा, रफ्तार, राज कुंद्रा, साहिल सलाथिया, सुधांशु पांडे, सूफी मोतीवाला और उर्फी जावेद शामिल हैं।

टीवीएफ के ग्राम चिकित्सालय शो के स्टार अमोल पराशर ने की अरुणाभ कुमार की दिल से तारीफ

टीवीएफ वाकई आज की तारीख में सबसे बड़े और भरोसेमंद कंटेंट क्रिएटर्स में से एक बन चुका है। इन्होंने लगातार ऐसे शोज बनाए हैं जो लोगों के दिलों से जुड़ जाते हैं। दर्शकों की पसंद को ये जिस तरह समझते हैं और उसी हिसाब से कहानियाँ पेश करते हैं, वोकाबिल-ए-तारीफ है। टीवीएफ के फाउंडर अरुणाभ कुमार ने न सिर्फ वेब स्पेस में स्टोरीटेलिंग का तरीका बदल दिया, बल्कि कई बेहतरीन टैलेंट्स को भी मौका दिया। ऐसा ही एक टैलेंट हैं अमोल पाराशर, जिन्हें हाल ही में ग्राम चिकित्सालय में देखा गया। शो को शानदार रिस्पॉन्स मिल रहा है, और इसी बीच अमोल ने अपने सफर को याद करते हुए अरुणाभ कुमार के प्रति अपना आभार जताया है। एके बहुत जल्दी वो गाइड बन गए जिसने हम सबको एक साथ जोड़ा, हमें एक-दूसरे के साथ काम करने के लिए मोटिवेट किया और पूरी शिद्दत से यकीन किया कि हम इस गेम को जीत सकते हैं (जिसमें ना हमारे पास कोई अनुभव था, ना कोई ट्रेनिंग बस थोड़ा सा हुनर और बहुत सारा भरोसा)। उस वकत मुझे उसके ये विश्वास थोड़े अजीब लगते थे३ आखिर हम जैसे बेसहारा लोग क्या ही कर सकते थे, जिन्हें इंडस्ट्री में कोई जानता तक नहीं था, कामयाबी की राह तो बहुत दूर की बात थी।अगले कुछ सालों में मैंने अपनी आँखों से देखा कि कैसे उन्होंने अपने अलग तरह के सपने को सच कर दिखाए, और साथ ही देखा / जीमअपतंसमिअमत का ऐसा जलवा, जो ना सिर्फ इंडस्ट्री में टिक गया बल्कि खेल के सारे नियम ही बदल डाले। जैसी कहानियों पर किसी ने दांव नहीं लगाया, वैसे किस्सों पर भरोसा किया गया... जैसे टैलेंट को कोई मौका नहीं देता, वैसे चेहरों को मंच मिला ये एके और टीवीएफ की पहचान बन गई। और एके का लोगों और उनके हुनर पर जो आंख मूंदकर भरोसा होता है, उसी ने मुझे वो मौका दिया जो शायद उस वक्त मुंबई में कोई और नहीं देता डीजे चितवन बनने का। ट्रिपलिंग से लेकर अब ग्राम चिकित्सालय तक, मुझे ऐसे किरदार निभाने का मौका मिला जो अक्सर टाइप के खिलाफ जाते थे। और हर बार, सबसे पहले एके का यकीन आया बाकी दुनिया की हाँ उससे बाद में हुई। क्रिएटिविटी की उस पागल दुनिया में, जहाँ कोई भी कुछ भी पक्के तौर पर नहीं जानता और इसलिए ट्रेंड्स का आसानी से पीछा किया जाता है, एके अपनी कहानियों को सच्चे विश्वास से जोड़कर रखते हैं।

रात को दिखते हैं डायबिटीज के खतरनाक लक्षण, तुरंत करें इलाज वरना नींद में ही जा सकती है जान

डायबिटीज एक ऐसी बीमारी है जो बहुत समय तक चलती है और अधिकतर मरीजों को जीवन भर परेशान करती है। इस बीमारी में या तो शरीर में इंसुलिन की मात्रा कम बनती है या फिर शरीर बना हुआ इंसुलिन सही तरीके से इस्तेमाल नहीं कर पाता। इसी वजह से ब्लड शुगर लेवल बढ़ने लगता है, जो शरीर के कई हिस्सों को नुकसान पहुंचा सकता है। डायबिटीज के लक्षणों को दवाइयों और जीवनशैली में बदलाव (लाइफस्टाइल चेंज) करके मैनेज किया जा सकता है।

डायबिटीज को कैसे कंट्रोल किया जा सकता है?

हाई ब्लड शुगर के कई लक्षण होते हैं। इनमें से कुछ लक्षण ऐसे हैं, जो अक्सर रात के समय दिखाई देते हैं। अगर आपको रोज रात को ऐसी कोई परेशानी हो रही है, तो यह डायबिटीज का संकेत हो सकता है। इन लक्षणों को समय पर पहचान कर कंट्रोल करना जरूरी है, वरना ये स्थिति जानलेवा भी बन सकती है।

रात में क्यों दिखते हैं डायबिटीज के लक्षण?

डायबिटीज के मरीजों को सोते समय ब्लड शुगर का स्तर बहुत ज्यादा (हाइपरग्लाइसेमिया) या बहुत कम (हाइपोग्लाइसेमिया) हो सकता है। यह दोनों ही स्थितियां शरीर के लिए खतरनाक हो सकती हैं और इन्हें नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। रात में ब्लड शुगर गिरने की स्थिति को नोक्टर्नल हाइपोग्लाइसेमिया कहा जाता है। यह तब होता है जब नींद के दौरान शुगर लेवल 70 एमजी/डीएल से कम हो जाता है। यह स्थिति खासकर उन लोगों में देखी जाती है जो इंसुलिन लेते हैं या कुछ खास डायबिटीज की दवाएं लेते हैं।

रात में शुगर कम होने के लक्षण क्या है?

नींद में पसीना आनाः जिससे आपके कपड़े तक गीले हो सकते हैं।

बुरे सपने आनाः लो ब्लड शुगर की वजह से डरावने सपने आ सकते हैं या नींद बार-बार टूट सकती है।

सुबह उठने पर थकानः बहुत ज्यादा थकावट या चिड़चिड़ापन महसूस होना, फोकस करने में दिक्कत।

शरीर में कांपनाः नींद में ही शरीर कांप सकता है।

दिल की तेज धड़कनः रात में दिल की धड़कन तेज हो सकती है।

भूख या मतली महसूस होनाः सुबह उठते ही भूख लगना या जी मिचलाना।

रात में हाई ब्लड शुगर होने के लक्षण क्या हैं?

बार-बार पेशाब आनाः ज्यादा ग्लूकोज की वजह से किडनी पर दबाव पड़ता है और पेशाब ज्यादा आता है।

बहुत प्यास लगना और मुंह सूखनाः रात में गला बार-बार सूखता है और बहुत पानी पीने की इच्छा होती है।

सिरदर्द होनाः सुबह सिरदर्द महसूस होना, हाई शुगर का संकेत हो सकता है।

खराब नींदः रात में बार-बार नींद खुलना या सोने में दिक्कत होना।

धुंधला दिखनाः आंखों में धुंधला या कमजोर दिखना।

मतली या थकानः रात में या सुबह जागने पर कमजोरी या जी मिचलाना।

हाई शुगर रात में इसलिए भी हो सकता है क्योंकि आपने रात को भारी खाना खाया हो, समय पर इंसुलिन न लिया होया फिर श्डॉन फेनोमेननश के कारण, जिसमें शरीर सुबह के वक्त ज्यादा ग्लूकोज छोड़ता है।

डायबिटीज के कुछ अन्य लक्षण

ज्यादा पसीना आना

हाथ-पैर में झनझनाहट या चुभन

त्वचा का सूखना

बार-बार खुजली होना

अगर रात में लक्षण दिखें तो क्या करना चाहिए?

सोने से पहले ब्लड शुगर की जांच करें कृ ग्लूकोज मीटर से।

भारी और मीठा खाना न खाएं कृ खासकर काबोर्हाइड्रेट से भरे स्नैक्स।

डॉक्टर की बताई दवाएं जरूर लें: किसी भी दवा को न छोड़ें। लो शुगर की स्थिति में फौरन इलाज करें: जल्दी असर करने वाला ग्लूकोज पास में रखें। अच्छी नींद की आदतें अपनाएं: समय पर सोएं और स्क्रीन टाइम कम करें। जरूरत पड़ने पर डॉक्टर से सलाह लें: किसी भी बदलाव को नजरअंदाज न करें।

मानसून में त्वचा का ध्यान रखने के लिए फॉलो करें ये टिप्स, नहीं होगी कोई कोई परेशानी

बारिश का मौसम शुरू हो गया है, जो अपने साथ तमाम तरह की दिक्कतें लेकर आता है। इस मौसम में यदि स्किन का ध्यान सही से न रखा जाए तो कई तरह की परेशनियां जन्म लेने लगती हैं। दरअसल, इस मौसम में हवा में नमी बढ़ने से पसीना, चिपचिपाहट, फंगल इंफेक्शन, पिंपल्स और स्किन एलर्जी जैसी समस्याएं आम हो जाती हैं। ऐसे में स्किन की देखभाल के लिए कुछ खास सावधानियां जरूरी हैं। इसी के चलते हम आपको बारिश में त्वचा का ध्यान रखने के लिए कुछ टिप्स देने जा रहे हैं। इन टिप्स को ध्यान में रखने से आपको काफी आराम रहेगा और किसी तरह की परेशानी भी नहीं होगी।

चेहरे को दिन में दो बार करें साफ

बारिश के मौसम में स्किन काफी चिपचिपाने लगती है। इसलिए इसे दिन में कम से कम दो बार साफ करें। यदि ज्यादा चिपचिपापन लग रहा है तब तो आप सुबह और शाम के अलावा भी फेसवॉश कर सकते हैं। इससे आपकी स्किन पर जमा गंदगी भी साफ हो जाएगी। इसके लिए किसी अच्छे फेसवॉश का इस्तेमाल करें।

सही मॉइस्चराइजर है जरूरी

बारिश के मौसम में यदि आप नहीं चाहते कि आपकी त्वचा पर किसी तरह की कोई दिक्कत आए तो सही मॉइस्चराइजर का इस्तेमाल अवश्य करें। ये मॉइस्चराइजर ऐसा होना चाहिए, जो त्वचा के अतिरिक्त तेल को कंट्रोल करे। ऐसा इसलिए क्योंकि मिडिटी के कारण त्वचा पहले से ही ऑयली हो जाती है। ऐसे में ऑयल-फ्री, जेल-बेस्ड या वॉटर-बेस्ड मॉइस्चराइजर लगाएं ताकि स्किन को हाइड्रेशन मिले बिना पोर्स ब्लॉक हुए।

सनस्क्रीन भी जरूरी है

लोगों को लगता है कि बारिश के मौसम में तो ज्यादा धूप भी नहीं होती। ऐसे में सनस्क्रीन न भी इस्तेमाल करें तो क्या ही फर्क पड़ता है। जबकि ऐसा नहीं है। सनस्क्रीन का इस्तेमाल हर मौसम में जरूरी होता है। इस मौसम में भी कम से कम 40 एसपीएफ की सनस्क्रीन का इस्तेमाल करें।

हफ्ते में दो बार करें स्क्रब

बारिश के मौसम में भी गर्मी में दो बार चेहरे पर स्क्रब करें। स्क्रब करते समय ध्यान रखें ये आपके स्किन टाइप का ही हो। यदि स्किन टाइप का ध्यान रखकर आप स्क्रब नहीं करेंगे तो इससे आपकी त्वचा ही डैमेज होगी।

हल्का मेकअप करें

इस मौसम में उमस काफी ज्यादा हो जाती है, जिस कारण स्किन के पोर्स भी अपने आप बंद होने लगते हैं। ऐसे में यदि आप हैवी मेकअप करेंगे तो इससे पोर्स और भी ज्यादा बंद हो जाएंगे और फिर मुंहासों जैसी दिक्कत होने लगेगी।

फंगल इंफेक्शन से ऐसे बचें

शरीर के जिन हिस्सों पर ज्यादा पसीना आता है, वहां बारिश के मौसम में शरीर के ऐसे हिस्सों में फंगल इंफेक्शन हो सकता है। ऐसे में इन हिस्सों को सूखा और साफ रखें। कॉटन कपड़े पहनें और पाउडर का इस्तेमाल करें।

चेहरे की चमक को कई गुना बढ़ा देगा ये लाल फेस पैक

बदलते मौसम का असर सेहत के साथ-साथ स्किन पर भी देखने को मिलता है। खासतौर पर अब जब मौसम गर्मी का हो रहा है, और बीच-बीच में बारिश भी हो रही है, तो स्किन काफी डल होने लगती है। डल स्किन का ध्यान यदि सही से न रखा जाए तो चेहरा अजीब दिखने लगता है। इसी के चलते लोग महंगी-महंगी क्रीमों और स्किन केयर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं, ताकि वो अपनी त्वचा का ध्यान रख पाएं। लेकिन कई बार इन प्रोडक्ट का भी कोई असर देखने को नहीं मिलता है। इसी के चलते हम आज यहां आपको एक ऐसे लाल फेस पैक के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसके इस्तेमाल से आपका चेहरा एकदम से खिल उठेगा। खास बात तो ये है कि इस पैक को बनाने के लिए आपको ज्यादा पैसे खर्च करने और किसी भी ज्यादा चीजों की जरूरत नहीं पड़ेगी।

पैक को बनाने का सामान

इस पैक को बनाने के लिए जो सबसे मुख्य सामग्री है वो है चुकंदर। इसके अलावा दही और थोड़ा सा शहद भी इस पैक को सही तरह से बनाने में आपकी मदद करेगा।

ऐसे करें तैयार

यदि आपने इसे ब्लेंड किया है, तो चुकंदर के पेस्ट में थोड़ा सा सही मिक्स करें। दही के साथ-साथ इसमें थोड़ा सा शहद भी डालें, क्योंकि ये आपकी स्किन को मुलायम रखने का काम करेगा। सभी चीजों को अच्छी तरह मिक्स करके पेस्ट तैयार कर लें।

ऐसे करें इस्तेमाल

अब पारी आती है इस पैक को सही से इस्तेमाल करने की तो उसके लिए सबसे पहले तो अपने चेहरे को अच्छी तरह से धोकर साफ कर लें। इसके लिए किसी अच्छे क्लींजर का इस्तेमाल करें।

जब चेहरा अच्छी तरह से साफ हो जाए तो उसपर चुकंदर के पेस्ट की एक पतली लेयर अप्लाई करें। अब इस पैक को ऐसे ही लगा रहने दें। आधे घंटे के बाद अपने चेहरे को गुनगुने पानी से धोकर साफ करें। चेहरा साफ करने के बाद उसपर अच्छी क्रीम जरूर अप्लाई करें।

क्या हैं इसके फायदे

इस पैक को इस्तेमाल करने का सबसे बड़ा फायदा तो ये ही कि ये पैक डेड स्किन को हटाता है, जिससे त्वचा का रंग निखर जाता है। ये आपकी स्किन टोन को एक शेड तक लाइट कर सकता है। इसलिए यदि आप ग्लोइंग त्वचा पाना चाहते हैं तो इस पैक का इस्तेमाल करें।

लंबे समय तक हर प्रारूप खेलना मुश्किल...

इंग्लैंड दौरे से पहले जसप्रीत बुमराह ने दिया चैंकाने वाला बयान

जसप्रीत बुमराह की इंग्लैंड में तीसरी सीरीज होगी, जहां पर उनके नाम आठ मैचों में 23.78 की औसत और 51.9 के स्ट्राइक रेट से 37 विकेट हैं। बुमराह ने कहा कि उनके अन्य साथी तेज गेंदबाजों प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज, आकाशदीप और अर्शदीप सिंह में विरोधी टीम को मात देने की काबिलियत है खासतौर पर जब कोई टीम आक्रामक खेल रही हो जैसे इंग्लैंड खेलती है।

एजेंसी

नई दिल्ली। जून में भारतीय टीम इंग्लैंड दौरा करेगी जहां दोनों टीमों के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। वहीं पर कहा कि, इंग्लैंड में खेलना हमेशा से अलग चुनौती रहता है। मुझे हमेशा से ड्यूक बॉल से गेंदबाजी करना पसंद है। उन्होंने कहा कि, मैं नहीं जानता हूं कि ड्यूक बॉल

रोहित शर्मा और विराट कोहली के संन्यास के बाद टीम इंडिया का ये पहला दौरा होगा। इस दौरे को लेकर दुनिया के बेहतरी गेंदबाज जसप्रीत बुमराह बेहद उत्सुक हैं। शुभमन गिल की कप्तानी में टीम इंडिया 13 जून से वार्मअप मैच खेलेगी।

और 20 जून से लीड्स में पहला टेस्ट मैच खेला जाएगा। इस दौरे को लेकर जसप्रीत बुमराह ने भारतीय टीम की गेंदबाजी चुनौतियों पर बेबाकी से अपनी बात रखी और कहा कि इंग्लैंड में सबसे बड़ी चुनौती गेंद के मुलायम होने पर होगी। जसप्रीत बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क के यूट्यूब चैनल बियोंड-23 क्रिकेट इस समय कैसा कर रही है, क्योंकि गेंद में लगातार बदलाव होते रहते हैं। मौसम, स्विंगिंग परिस्थिति समान रहती है और जब गेंद मुलायम हो जाती है तो यहां पर हमेशा चुनौती रहती है तो मैं हमेशा से इंग्लैंड में खेलने को देखता हूं। आगामी टेस्ट सीरीज जसप्रीत बुमराह की इंग्लैंड में तीसरी सीरीज होगी, जहां पर उनके नाम आठ मैचों में 23.78 की औसत और 51.9 के स्ट्राइक रेट से 37 विकेट हैं। बुमराह ने कहा कि उनके अन्य साथी तेज गेंदबाजों प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज, आकाशदीप और अर्शदीप सिंह में विरोधी टीम को मात देने की काबिलियत है खासतौर पर जब कोई टीम आक्रामक खेल रही हो जैसे इंग्लैंड खेलती है।

बुमराह ने लिए बैजबॉल के मजे

साथ ही बुमराह ने कहा कि, इंग्लैंड एक अलग शैली (बैजबॉल) का क्रिकेट खेल रहे हैं, जो दिलचस्प हैं लेकिन मैं इसे ज्यादा नहीं समझता। हालांकि, एक गेंदबाजी यूनिट के तौर पर जब बल्लेबाज अधिक आक्रामक होते हैं तो हम हमेशा आत्मविश्वास से भरा महसूस करते हैं, तो किसी भी दिन कोई भी विकेट ले सकता है। साथ ही जसप्रीत बुमराह ने कहा कि वे क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट खेलेंगे लेकिन वह अपने शरीर को तरोताजा रखने केलिए मैच चुनेंगे। उन्होंने कहा कि, बिल्कुल व्यक्तिगत तौर पर लंबे समय तक हर प्रारूप खेलना मुश्किल है।

मैं ऐसा कुछ समय से कर रहा हूं लेकिन आपको समझना होगा कि आपका शरीर क्या कर रहा है और कौन सा अहम टूर्नामेंट है। उन्होंने आगे कहा कि, आपको अपने शरीर का इस्तेमाल करने के तरीके के बारे में थोड़ा चयनात्मक और होशियार होना चाहिए। एक क्रिकेटर के तौर पर मैं कभी भी कुछ नहीं छोड़ना चाहता और हमेशा आगे बढ़ता रहना चाहता हूं। लेकिन मैं लक्ष्य निर्धारित नहीं करता या संख्याओं को नहीं देखता।

जब भी मैंने लक्ष्य निर्धारित किए मैं उन्हें कभी पूरा नहीं कर पाया। दुनिया के नंबर 1 गेंदबाज ने कहा कि, जिस दिन मुझे लगेगा कि अब वो जुनून नहीं रहा, कोशिश नहीं हो रही है शरीर साथ नहीं दे रहा है। तब इस पर फैसला लूंगा। फिलहाल अभी के लिए ठीक है।

जसप्रीत बुमराह ने कहा कि, मैं बस लुत्फ लेने की कोशिश कर रहा हूं क्योंकि इसी कारण से मैंने खेल शुरू किया था। एक दिन लो और यादों को संजोओ, क्योंकि खेल के अंत में मैं इन्हीं सब को याद रखूंगा।

18 वर्षीय पूजा ने महिलाओं की हाई जम्प में जीता गोल्ड मेडल

18 वर्षीय पूजा ने साउथ कोरिया के गुमी में आयोजित एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में महिलाओं की हाई जम्प में गोल्ड मेडल अपने नाम किया है। ये कारनामा करने वाली पूजा दूसरी भारतीय हैं। उनसे पहले बॉल एलॉयसियस एशियाई चैंपियनशिप में ऊंची कूद में मेडल जीतने वाली एकमात्र भारतीय महिला थीं।

एजेंसी

नई दिल्ली। साउथ कोरिया के गुमी में आयोजित एशियन एथलेटिक्स

चैंपियनशिप में भारतीय एथलीट पूजा ने इतिहास रच दिया है। दरअसल, 18 वर्षीय पूजा ने महिलाओं की हाई जम्प में गोल्ड मेडल अपने नाम किया है। पूजा ने सीजन का सर्वश्रेष्ठ 1.89 मीटर का प्रदर्शन करते हुए बेहतरीन जीत दर्ज की। उनके इस प्रयास ने उनका खुद का अंडर-20 राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। बता दें कि, ये कारनामा करने वाली पूजा दूसरी भारतीय हैं। उनसे पहले बॉल एलॉयसियस एशियाई चैंपियनशिप में ऊंची कूद में मेडल जीतने वाली एकमात्र भारतीय महिला थीं। जिन्होंने 2000 में गोल्ड और 2002 में सिल्वर मेडल अपने नाम किया। 18 वर्षीय भारतीय एथलीट ने इसके बाद सीनियर राष्ट्रीय रिकॉर्ड की बराबरी करने के लिए 1.92 मीटर की कोशिश की, लेकिन वह चूक गईं। 1.92 मीटर का मौजूदा रिकॉर्ड 2012 में सहाना कुमार ने बनाया था। इसके साथ ही पूजा के अलावा, भारत ने शुक्रवार को दो और गोल्ड मेडल जीते। इनमें गुलवीर सिंह ने पुरुषों की 5000 मीटर और नंदिनी अगासरा ने हेप्टाथलॉन में जबकि पारूल चैधरी ने महिलाओं की 3000 मीटर स्टीपलचेज में राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ते हुए सिल्वर मेडल जीता।

मुंबई में बिका है सबसे महंगा फ्लैट, 703 करोड़ रुपये की प्रॉपर्टी खरीद कर मचा दिया हंगामा

एजेंसी

मुंबई। इन दिनों सोशल मीडिया पर एक ही नाम की चर्चा हो रही है, जो कि लीना तिवारी है। काफी कम लोग होंगे जिन्होंने इस नाम को सुना है। मगर अब ये नाम

अचानक सुर्खियों में आ गया है, जिसका कारण घर है। उन्होंने मुंबई में एक घर खरीदा है, जो देश का सबसे महंगा घर है। इस घर की कीमत 639 करोड़ रुपये रखी गई है। लीना तिवारी ने जो घर खरीदा है वो 639 करोड़ रुपये का बताया जा रहा है। ये घर वर्ली के सी फेसिंग डूप्लेक्स अपार्टमेंट में लिया गया है। ये भारत का सबसे महंगा रहने वाला घर है। ये प्रॉपर्टी खरीदने का सौदा माना गया है। जानकारी के मुताबिक ये घर लगभग 22,572 स्क्वायर फीट में फैला हुआ है। ये वर्ली की प्रीमियम लोकेशन में स्थित है। इस घर का निर्माण 40 मंजिला बिल्डिंग के 32वें से 35वें माले तक हुआ है। इसमें दो अल्ट्रा लग्जरी यूनिट्स है, जो प्रति वर्गफुट 2.83 लाख की दर से बेची गई है। इस घर के लिए स्टांप ड्यूटी ही कुल 63.9 करोड़ रुपये की दी गई है। इस घर को खरीदने में लीना को कुल 703 करोड़ रुपये का भुगतान करना पड़ा है। मुंबई के वर्ली में इस घर की लोकेशन है। इस लोकेशन की पॉपुलैरिटी इसकी कीमत से भी जानी जा सकती है। कई अमीर लोग इस इलाके में घर लेना पसंद करते है। **फोर्ब्स लिस्ट में शामिल हैं लीना :** लीना तिवारी फोर्ब्स की अमीर महिलाओं की लिस्ट में शामिल है। उनकी कुल संपत्ति फोर्ब्स ने 3.9 बिलियन डॉलर की बताई है। दवा कंपनी यूएसवी की वो वर्तमान चेयरमैन है। ये कंपनी डायबिटीज और हार्ट से संबंधित दवाएं तैयार करती है। इस कंपनी का सालाना रेवेन्यू लगभग 511 मिलियन डॉलर का है। लीना के पति प्रशांत तिवारी हैं जो कॉर्नेस से पढ़े है। कंपनी में ऑपरेशंस में उनकी अहम भूमिका है।

सेंसेक्स, निफ्टी में शुरूआती कारोबार में गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली। एशियाई बाजारों में सुस्त रुख के बीच शुक्रवार को शुरूआती कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट दर्ज की गई। बीएसई सेंसेक्स शुरूआती कारोबार में 219 अंक की गिरावट के साथ 81,414.02 अंक पर जबकि एनएसई निफ्टी 53.6 अंक फिसलकर 24,780 अंक पर रहा।

विश्लेषकों का कहना है कि घरेलू सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) आंकड़े जारी होने से पहले निवेशक सतर्क हैं। सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से इन्फोसिस, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक, इंडसइंड बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के शेयर नुकसान में रहे।

लार्सन एंड टुब्रो, अदाणी पोर्ट्स, इटर्नल (पूर्व में जोमैटो), नेस्ले, सन फार्मा और मारुति के शेयर लाभ में रहे। एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की 225, शंघाई एसएसई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग नुकसान में रहे।

अमेरिकी बाजार बृहस्पतिवार को सकरात्मक रुख के साथ बंद हुए थे। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.48 प्रतिशत की गिरावट के साथ 63.84 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा।

पीयूष गोयल ने दिया बड़ा बयान, कहा- 2055 तक भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था होगी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग का सराहनीय काम किया है। मंत्री ने निवेश गंतव्य के रूप में भारत के आकर्षण पर

जोर देते हुए पीयूष गोयल ने कहा कि भारतीय कंपनियों ने पिछले 20-25 वर्षों में लगभग 20 प्रतिशत सीएजीआर रिटर्न दिया है। उन्होंने कहा,

मंत्री पीयूष गोयल ने ताजा बयान में भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर बड़ी घोषणा की है। पीयूष गोयल ने कहा कि आगामी 30 वर्षों तक दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था भारत होगा। सीआईआई वार्षिक व्यापार शिखर सम्मेलन 2025 में अपने संबोधन में वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने ये बात कही है। उन्होंने कहा कि देश ने छह से सात फीसदी की स्थिर विकास दर को कायम रखा है। स्थिर मूल्यों पर इसे आठ फीसदी तक ले जाया जा सकता है। वैश्विक अनिश्चितताओं के बाद भी भारत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले उभरते बाजारों में से शुमार है। उन्होंने कहा, आज भारत के पास लगभग 690 अरब डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार है जो विश्व में चैथा सबसे बड़ा विदेशी मुद्रा भंडार है। बीते तीन महीनों से हमारी मुद्रास्फीति 4 प्रतिशत से नीचे बनी हुई है। गोयल ने कहा कि रिजर्व बैंक ने तरलता और मुद्रा प्रबंधन में संतुलन स्थापित करने

एफडीआई प्रवाह लगातार रिकॉर्ड तोड़ रहा है। हम अंतर्राष्ट्रीय व्यापार संबंधों के माध्यम से विकास पथ पर वापस आ रहे हैं। उन्होंने भारत के व्यापार संबंधों के बारे में बात करते हुए कहा कि अमेरिका और 27 देशों के यूरोपीय संघ के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौतों पर प्रगति हो रही है। उन्होंने बताया कि न्यूजीलैंड के साथ वार्ता शुरू हो गई है और इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत के एफटीए में एक अग्रगामी निवेश खंड शामिल है, तथा नॉर्वेजियन पेंशन फंड से प्राप्त निवेश को एफडीआई आंकड़े में शामिल नहीं किया गया है। केंद्रीय मंत्री ने आईएमएफ के अनुमान का हवाला देते हुए कहा कि भारत 2027 तक दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा जीडीपी वाला देश बन जाएगा। उन्होंने कहा, वैश्विक अस्थिरता, अनिश्चितता और जटिलता के बावजूद, भारत अपने विकास के माध्यम से वैश्विक विकास को गति दे रहा है।

जानें कौन हैं गुलवीर सिंह? जिन्होंने एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भारत को दिलाया पहला गोल्ड मेडल

एजेंसी

नई दिल्ली। एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में भारतीय एथलीट्स छा गए हैं। इस कड़ी में भारत को पहला गोल्ड मेडल उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले के रहने वाले गुलवीर

सिंह ने दिलाया। गुलवीर ने दक्षिण कोरिया के गुमी शहर में आयोजित हो रही एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में पुरुषों की 10,000 मीटर रेस में 28 मिनट 38.63 सेकंड का बेहतरीन समय निकालते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम किया। बता दें कि, ये चैंपियनशिप में भारत का पहला गोल्ड है। अलीगढ़ जिले के सिरसा गांव में हैं, जहां गुलवीर सिंह एक साधारण किसान परिवार से आते हैं। उनके पिता पप्पू सिंह खेती करते हैं और बेटा आज देश के लिए गोल्ड लाया है। गुलवीर की सफलता देखकर परिजनों के आंखों में खुशी के आंसू थे। गुरवीर के भाई मोनू ने बताया कि हमें सोशल मीडिया से पता चला कि भाई ने गोल्ड मेडल जीता है। जब वीडियो देखी तो यकीन ही नहीं हुआ पूरा गांव खुशी से झूम उठा है। गुलवीर की मेहनत काबिले तारीफ है। वो हर दिन सुबह 4 बजे दौड़ की शुरूआत करता था आज उसी मेहनत ने उसे इस मुकाम तक पहुंचाया है।

खामनेई संग मीटिंग कर रहे थे मोहम्मद बिन सलमान के भाई तभी आया सऊदी किंग का ईरान के लिए चेतावनी वाला संदेशा

सऊदी अरब के 89 वर्षीय राजा सलमान बिन अब्दुलअजीज ने अपने बेटे प्रिंस खालिद को ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के लिए चेतावनी का संदेशा भेजा था। प्रिंस खालिद ने नेतृत्व को सूचित किया कि उन्हें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के परमाणु समझौते पर बातचीत करने के प्रस्ताव को गंभीरता से लेना चाहिए क्योंकि इससे इजरायल के साथ युद्ध का जोखिम टल जाएगा।

एजेंसी

नई दिल्ली। क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के छोटे भाई सऊदी अरब के रक्षा मंत्री प्रिंस खालिद बिन सलमान को अपने पिता किंग सलमान का एक संदेश मिला था, जिसे उन्होंने तेहरान में बंद कमरे में हुई बैठक के दौरान ईरानी नेतृत्व को दिया। रोम में होने वाली अमेरिका-ईरान वार्ता से दो दिन पहले प्रिंस खालिद पिछले महीने तेहरान पहुंचे थे, जो दशकों में उनकी सबसे बड़ी यात्रा थी। इसके बाद उन्होंने ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई और राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन से मुलाकात की थी।

सऊदी अरब के 89 वर्षीय राजा सलमान बिन अब्दुलअजीज ने अपने बेटे प्रिंस खालिद को ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के लिए चेतावनी का संदेशा भेजा था। प्रिंस खालिद ने नेतृत्व को सूचित किया कि उन्हें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के परमाणु समझौते पर बातचीत करने के प्रस्ताव को गंभीरता से लेना चाहिए क्योंकि इससे इजरायल के साथ युद्ध का जोखिम टल जाएगा। ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन, सशस्त्र बलों के चीफ ऑफ स्टाफ मोहम्मद बाघेरी और विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने प्रिंस खालिद के साथ बंद कमरे में हुई बैठक में भाग लिया।

सऊदी रक्षा मंत्री ने तर्क दिया कि गाजा और लेबनान पर इजरायल के हमले से त्रस्त यह क्षेत्र तनाव में और वृद्धि को बर्दाश्त नहीं कर सकता।

इससे पहले, शाही दरबार के करीबी सऊदी विश्लेषक अली अल-शिहाबी के हवाले से रिपोर्ट आई थी कि सऊदी ने तेहरान को संदेश भेजा है कि वह ईरान पर हमले के लिए किसी भी तरह का माध्यम नहीं बनेगा। उन्होंने कहा कि प्रिंस खालिद ने नेतृत्व को सूचित किया कि सऊदी ने कूटनीतिक समाधान खोजने के ट्रम्प के प्रयासों का समर्थन किया है। सऊदी अरब, कतर और संयुक्त अरब अमीरात के नेताओं ने इस महीने की शुरूआत में अपने मध्य पूर्व दौरे के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से कहा था कि वे ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर सैन्य हमले का विरोध करते हैं। इन देशों ने कथित तौर पर ट्रम्प से कहा कि उन्हें ईरान के साथ परमाणु समझौते की दिशा में काम करना चाहिए।

कतर के अमीर तमीम अल थानी, अमीरात के राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद और सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने कहा कि हमले की स्थिति में ईरान उनके देशों को निशाना बनाएगा।

भारत के लिए पीओके में घुस गया तालिबान? पाकिस्तान आर्मी पर जमकर मचाया कहर

एजेंसी

लाहौर। पाकिस्तान पर इस वक्त इस समय भीषण झड़प में उलझा है। जानकारी के मुताबिक पाकिस्तान के कब्जे

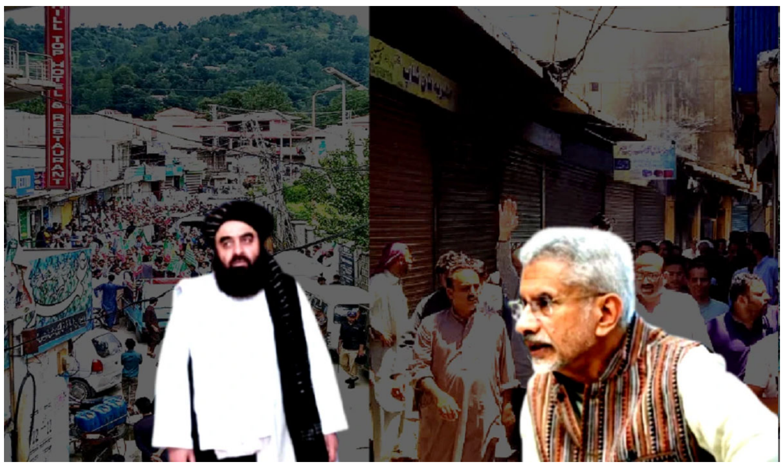

अफगानिस्तान की तरफ से आफत कहर बनकर टूट रही है। पाकिस्तान अफगानिस्तान बॉर्डर पर इस समय तनाव अपने चरम पर है। इधर पाकिस्तान की सेना तालिबान की सेना के साथ उलझी हुई है। दूसरी तरफ तालिबान के लड़ाके भी पाकिस्तान पर आफत बनकर टूट पड़े हैं। पाकिस्तान जिन्हें आतंकी बुलाता है। वहीं इस समय पाकिस्तान पर जबरदस्त कहर बरपा रहे हैं। सेना से लेकर तालिबान के लड़ाकों तक सभी के साथ पाकिस्तान वाले कश्मीर में रात भर गोलीबारी चली। लेकिन उस बार तालिबान लड़ाकों और पाकिस्तानी सेना के बीच हुआ ये तनाव अफगानिस्तान बॉर्डर पर नहीं बल्कि पीओके में हुआ है। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में रातभर तालिबान के लड़ाकों और पाकिस्तानी पुलिस के बीच गोलीबारी चली। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में रातभर चली मुठभेड़ में आखिरकार दो पुलिस अधिकारी और चार तालिबानी आतंकवादी मारे गए।

यह मुठभेड़ उस समय हुई जब सुरक्षा बलों को आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी और उन्होंने क्षेत्र के रावलकोट जिले के हुसैन कोट वन क्षेत्र में अभियान शुरू किया था। रावलकोट के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) रियाज मुगल ने मीडिया को बताया कि पुलिस ने इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद छापेमारी की। उन्होंने बताया कि आतंकवादी एक गुफा में छिपे हुए थे और उन्हें घेर लिया गया था, लेकिन जब पुलिस ने उन्हें पकड़ने का प्रयास किया तो आतंकवादियों में से एक ने अधिकारियों पर ग्रेनेड फेंका, जिसके बाद पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की। यह एक दुर्लभ घटना थी जब पुलिस ने पीओके में टीटीपी आतंकवादियों को मार गिराया। टीटीपी, जिसे पाकिस्तान तालिबान के नाम से भी जाना जाता है, की स्थापना 2007 में कई आतंकवादी संगठनों के एक छत्र समूह के रूप में की गई थी। इस समूह की अफगानिस्तान की सीमा से लगे खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के आदिवासी क्षेत्र में मजबूत उपस्थिति है। जब्बार ने दावा किया कि पुलिस ने इस प्रतिबंधित संगठन द्वारा हमलों के लिए क्षेत्र में एक आधार स्थापित करने के प्रयास को विफल कर दिया।

झुकेगा नहीं पाकिस्तान, हमने आपके कितने राफेल..असीम मुनीर फिर दिखाने लगे पुराने रंग, अब भारत को क्यों दी गीदड़भभकी

एजेंसी

नई दिल्ली। पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर ने गुरुवार को सिंधु जल संधि को श्रेड लाइनश करार देते हुए कहा कि इस्लामाबाद जल मुद्दे पर कभी समझौता नहीं करेगा, क्योंकि यह देश के 240 मिलियन लोगों के मूल अधिकारों से जुड़ा हुआ है। मुनीर की टिप्पणी उस समय आई जब वह विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपतियों,

प्रिंसिपलों और वरिष्ठ शिक्षकों और शिक्षाविदों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान कभी भी भारतीय आधिपत्य को स्वीकार नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि पानी पाकिस्तान की लाल रेखा है और हम 240 मिलियन पाकिस्तानियों के इस बुनियादी अधिकार पर कोई समझौता नहीं होने देंगे। वे पहलगाम आतंकी हमले के बाद सिंधु जल संधि को स्थगित रखने के भारत के कदम का जिक्र कर रहे थे। 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया था। इस हमले में 26 लोगों की जान चली गई थी। मुनीर ने झूठा दावा करते हुए कहा कि पाकिस्तान ने भारत के छह एयरक्राफ्ट गिरा दिए थे। आर्मी चीफ ने कहा कि पाकिस्तान कभी भी भारत की सरपरस्ती नहीं स्वीकार करेगा। भारत ने जोर देकर कहा है कि पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि तब तक स्थगित रहेगी जब तक इस्लामाबाद सीमा पार आतंकवाद को समर्थन देना ष्विश्वसनीय और अपरिवर्तनीय रूप सेष्बंद नहीं कर देता, क्योंकि ष्पानी और खूनष एक साथ नहीं बह सकते। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने यह भी कहा कि इस्लामाबाद के साथ कोई भी द्विपक्षीय वार्ता केवल पाकिस्तान द्वारा कश्मीर के अवैध रूप से कब्जे वाले क्षेत्रों को खाली करने पर

चीन पर जेलेंस्की ने ऐसा क्या बोला, रूस ने दाग दिया ड्रोन

एजेंसी

नई दिल्ली। रूस ने 30 मई को खार्किव पर बड़े पैमाने पर हमला किया, जिसमें ड्रोन और बैलिस्टिक मिसाइलों का उपयोग करके नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया गया, यह हमला यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की द्वारा ड्रोन घटकों की शिपमेंट कम करने के लिए चीन की आलोचना करने के कुछ ही दिनों बाद किया गया। यूरोपीय अधिकारी ने ब्लूमबर्ग न्यूज को बताया कि जेलेंस्की की टिप्पणी के बाद आई है। राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने कहा कि चीन ने कीव और अन्य यूरोपीय देशों को ड्रोन बेचना बंद कर दिया है, जबकि रूस को शिपमेंट जारी है। ड्रोन यूक्रेन में युद्ध की एक परिभाषित विशेषता रहे हैं, जो दोनों पक्षों को युद्ध के मैदान को देखने और दुश्मन की रेखाओं के पीछे हमला करने का अवसर प्रदान करते हैं। यूक्रेन शुरू में पूरी तरह से आयातित चीनी ड्रोन, जैसे डीजेआई माविक पर निर्भर था, लेकिन अब उसके पास घरेलू स्तर पर बड़ी संख्या में ड्रोन बनाने की क्षमता है। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने कहा कि चीन ने कीव और अन्य यूरोपीय देशों को ड्रोन बेचना बंद कर दिया है, जबकि रूस को निर्यात जारी है। जेलेंस्की ने मंगलवार को पत्रकारों के एक समूह से कहा चीनी माविक रूसियों के लिए खुला है, लेकिन यूक्रेनियों के लिए बंद है रूसी क्षेत्र में उत्पादन लाइनें हैं जहाँ चीनी प्रतिनिधि हैं। अधिकारी ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि चीन ने रूस को डिलीवरी बढ़ाने के साथ-साथ मोटरों में इस्तेमाल होने वाले मैग्नेट जैसे कुछ ड्रोन घटकों की पश्चिमी खरीदारों को डिलीवरी में भी कटौती की है। यूक्रेन में युद्ध के लिए ड्रोन केंद्रीय बन गए हैं, खार्किव और आसपास के क्षेत्र पर शुक्रवार के हमलों के साथ फ्रंटलाइन के पीछे लंबी दूरी के हमलों के लिए उनके बढ़ते उपयोग का एक और उदाहरण है। शहर के मेयर इगोर तेरेखोव ने कहा कि आठ ड्रोन ने ट्रॉलीबस डिपो पर हमला किया, जिससे दो लोग घायल हो गए।

ट्रम्प को टैरिफ मामले में मिली अस्थायी राहत, इमर्जेंसी पावर कानून के तहत वसूली जारी रखने की दी मंजूरी

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका में टैरिफ मुद्दे के बीच, संघीय अपील अदालत ने गुरुवार को

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को आपातकालीन शक्तियों के कानून के तहत टैरिफ एकत्र करना जारी रखने की अनुमति दी, क्योंकि उनका प्रशासन उनकी आर्थिक नीतियों के बड़े हिस्से को रद्द करने के आदेश के खिलाफ अपील कर रहा है। संघीय सर्किट के लिए अपील न्यायालय ने ट्रम्प प्रशासन की आपातकालीन याचिका को स्वीकार कर लिया, जिसमें तर्क दिया गया कि रोक लगाना देश की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है। अपील न्यायालय ने एक दिन पहले जारी संघीय व्यापार न्यायालय के आदेश को अस्थायी रूप से रोक दिया। ट्रम्प कई मुकदमों का सामना कर रहे हैं, जिसमें तर्क दिया गया है कि उनके ष्मुक्ति दिवस टैरिफ उनके अधिकार से परे थे और देश की व्यापार नीति को उनकी सनक पर निर्भर कर दिया। अमेरिकी अंतर्राष्ट्रीय व्यापार न्यायालय के तीन न्यायाधीशों के पैनल ने बुधवार को फैसला सुनाया कि ट्रम्प ने 1977 के अंतर्राष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्ति अधिनियम को लागू करके राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा करके और दुनिया के लगभग हर देश से आयात पर कर - टैरिफ - लगाकर अपने अधिकार का अतिक्रमण किया।

वो मिसाइल...इतिहास में पहली बार भारत से इतना डरा चीन, लड़खड़ाई जुबान

एजेंसी

नई दिल्ली। चीनी सेना ने भारत के साथ हाल ही में हुए संघर्ष में पाकिस्तान द्वारा इस्तेमाल किए गए चीन निर्मित हथियारों के प्रदर्शन पर पूछे गए सवाल को टाल दिया। भारत द्वारा रडार-निर्देशित दृश्य-सीमा से परे मिसाइल पीएल-15ई बरामद किए जाने की खबरों को नजरअंदाज करते हुए चीनी रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता सीनियर कर्नल झांग शियाओगांग ने कहा आपने जिस मिसाइल का उल्लेख किया है, वह एक निर्यात उपकरण है और इसे कई बार देश और विदेश में रक्षा प्रदर्शनियों में दिखाया गया है। चीन के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि भारत और पाकिस्तान ऐसे पड़ोसी हैं जिन्हें अलग नहीं किया जा सकता। हम उम्मीद करते हैं कि दोनों देश शांत और संयमित रहेंगे और ऐसी कार्रवाइयों से बचेंगे जो तनाव बढ़ा सकती है।

चीनी सेना ने सवालों को टाला...

प्रवक्ता ने भारतीय अधिकारियों के इस दावे के बारे में सवालों को टाल दिया कि चीन ने सैन्य संघर्ष में पाकिस्तान को हवाई रक्षा और उपग्रह सहायता प्रदान की और चीनी हथियार प्रणालियों ने औसत से कम प्रदर्शन किया, क्योंकि उन्होंने कहा कि भारत और पाकिस्तान पड़ोसी हैं जिन्हें दूर नहीं किया जा सकता है। झांग ने चीनी विदेश मंत्रालय के पहले के बयानों को दोहराते हुए कहा, ष्हमें उम्मीद है कि दोनों पक्ष शांत और संयमित रहेंगे तथा स्थिति को और जटिल बनाने वाली कार्रवाई से बचेंगे।

पुण्यश्लोक रानीअहिल्याबाई होल्कर त्रिशताब्दी स्मृति अभियान-2025 के अंतर्गत आयोजित गोरखपुर ग्रामीण विधानसभा पंचायत प्रतिनिधि सम्मेलन

गोरखपुर, 31मई, संवादाता मु० अब्दुल्लाह। पुण्यश्लोक रानी अहिल्याबाई होल्कर त्रिशताब्दी स्मृति

अभियान-2025 के अंतर्गत आयोजित "महानगर323 गोरखपुर ग्रामीण विधानसभा पंचायत प्रतिनिधि सम्मेलन भाजपा महानगर गोरखपुर द्वारा वर्ड घाट रामलीला मैदान सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानंद राय उपस्थित रहे एवं गोरखपुर ग्रामीण विधायक विपिन सिंह, महानगर अध्यक्ष देवेश श्रीवास्तव,पूर्व महानगर अध्यक्ष राजेश गुप्ता, शिव प्रसाद जायसवाल, श्वेता श्रीवास्तव, ओम प्रकाश शर्मा, अच्युतानंद शाही, इन्द्र मणि उपाध्याय,चारू चौधरी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। पुण्यशलोक अहिल्याबाई होल्कर त्रिशाताबदी स्मृति अभियान के अंतर्गत आज रामलीला मैदान बर्ड घाट पर ग्रामीण विधानसभा पंचायत प्रतिनिधि सम्मेलन आयोजित किया गया। पुण्यश्लोक देवी अहिल्याबाई होलकर शताब्दी अभियान कार्यक्रम की अध्यक्षता व विषय प्रस्तावना महानगर अध्यक्ष देवेश श्रीवास्तव ने व संचालन महानगर महामंत्री ओम प्रकाश शर्मा ने किया। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानंद राय ने कहा कि रानी अहिल्याबाई अत्यंत दूरदर्शी प्रशासिका थी। राजमाता अहिल्याबाई का जन्म 31 मई 1723 ई को अहमदनगर के चौड़ी ग्राम में हुआ था राजमाता अहिल्याबाई ने ग्रामीण पृष्ठभूमि वाले एक सामान्य परिवार की बालिका से एक साधारण शासक तक की यात्रा पुरी की।समाज के सभी वर्गों का सम्मान प्रगति के अवसर देने वाली समरसता की दृष्टि उनके प्रशासन का आधार थी इन्हीं लोक कल्याणकारी कार्यों के कारण उन्हें लोकमाता कहा गया । राजमाता अहिल्याबाई होलकर एक अद्वितीय व्यक्तित्व की धनी महिला थी जिन्होंने अपने शासनकाल में मध्य प्रदेश के मालवा क्षेत्र को एक नई दिशा दिखाई उनकी न्यायप्रियता प्रशासनिक क्षमता और धार्मिक सहिष्णुता ने उन्हें एक आदर्श शासक बनाया । राजमाता अहिल्याबाई होल्कर का जीवन इस बात का ज्वलंत प्रमाण है कि उन्होंने व्यक्तिगत सुख सुविधाओं और यहां तक की गहरे निजी दुखों को भी परे रखकर अपने संपूर्ण जीवन काल में सदैव प्रजा के कल्याण और लोकहित को सर्वोपरि प्राथमिकता दी। विधायक विपिन सिंह ने कहा कि राजमाता अहिल्याबाई होलकर की 300 वीं जयंती के अवसर पर हम उनके इन्हीं गुणों को अपने जीवन में उतार कर विकसित भारत के संकल्प को साकार करने हेतु एक नई ऊर्जा प्राप्त कर सकते हैं। आज की युवा पीढ़ी को पुण्य श्लोक राजमाता अहिल्याबाई के बारे में अवश्य जानना चाहिए जिससे वह अपने जीवन को राष्ट्रीय पुनर्निर्माण के पवित्र कार्य में प्रतिबद्धता पूर्वक लगा सके। पुण्य श्लोक अहिल्याबाई होल्कर जी का जीवन शौर्य, साधना, सेवा समर्पण, संयम और सादगी का अप्रतिम उदाहरण हैं। उनकी अद्वितीय शासन कला, समाजिक न्याय, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और धार्मिक आस्था ने एक ऐसा मार्ग प्रशस्त किया जो हम सभी के लिए आज भी प्रेरणादायी है। हम उनके महान व्यक्तित्व का स्मरण करते हुए उनसे प्रेरणा लें। धर्म एवं समर्पण की प्रतिमूर्ति महान वीरांगना महारानी अहिल्याबाई होलकर जी। सेवा धर्मनिष्ठा न्यायप्रियता और लोक कल्याण की प्रतीक। उनका जीवन महिला सशक्तिकरण सामाजिक उत्थान और सांस्कृतिक पुनरुत्थान का प्रकाश स्तंभ है जो हमें युगों युगों तक प्रेरणा प्रदान करता रहेगा। उन्होंने कहा कि देवी अहिल्याबाई जी ने अपने जीवन में त्याग और सेवा के माध्यम से राष्ट्र को सर्वोपरि रखा। उन्हीं के आदर्शों पर चलते हुए भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत को आत्मनिर्भर बना रहे हैं और देश को विश्व गुरु के रूप में स्थापित कर रहे हैं। अहिल्याबाई होल्कर द्वारा सांस्कृतिक पुनरुत्थान पर हमेशा बल दिया गया और उन्होंने काशी विश्वनाथ मंदिर, सोमनाथ मंदिर का जीर्णोद्धार कर पुन निर्माण करवाया इसके अतिरिक्त उनके द्वारा रामेश्वरम मंदिर व लगभग हर तीर्थ पर धर्मशालाएं बनवाई गई। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार और योगी सरकार लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर जी को आदर्श मानकर निरंतर कार्य कर रही है। अहिल्याबाई ने अपने राज्य को रामराज्य का प्रतीक बनाया। जिनका जीवन त्याग साहस सेवा और सनातन संस्कृति का जीवंत उदाहरण है और वह है पूण्यशलोक लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर जी। इस अवसर पर मुख्य रूप से महानगर अध्यक्ष देवेश श्रीवास्तव,पूर्व महानगर अध्यक्ष राजेश गुप्ता, श्वेता श्रीवास्तव, रत्नेश मौर्या, सपना श्रीवास्तव, ममता गुप्ता,महामंत्री अच्युतानंद शाही, उपाध्यक्ष बृजेश मणि मिश्रा, रणविजय शाही, वीरेंद्र पांडेय, पदमा गुप्ता, मनोज अग्रहरी, अवधेश अग्रहरी, अजय श्रीवास्तव, शिवम पाण्डेय, अशोक गुप्ता, विशाल गुप्ता मण्डल अध्यक्ष व पूर्व मण्डल अध्यक्ष रूपेश गुप्ता, अमित कुमार श्रीवास्तव, मु०अब्दुल्लाह, मुकेश चौधरी, श्रीराम पांडे सहित महानगर पदाधिकारी व मण्डल अध्यक्षगण व कार्यकर्ता सहित अन्य लोग ग्रामीण विधानसभा पंचायत प्रतिनिधि सम्मेलन में मौजूद रहे ।

महापौर डॉ० मंगलेश श्रीवास्तव अपने दो वर्ष पूर्ण होने पर मुख्यमंत्री की मुलाकात

गोरखपुर 27 मई, संवादाता मु० अब्दुल्लाह। महापौर डॉ० मंगलेश श्रीवास्तव अपने कार्यकाल दो वर्ष पूर्ण होने उ० प्र० मुख्यमंत्री मा० श्री योगी आदित्यनाथ जी मुलाकात की उनके साथ नगर निगम के उपसभापति श्री धर्मदेव चौहान जी (उपसभापति), मा० पार्षद श्री अजय राय जी, श्री रणंजय सिंह जुगनू जी, पूर्व पार्षद श्री वीर सिंह सोनकर जी उपस्थित रहे।

गंगा नदी में मिला अज्ञात महिला का क्षत विक्षत शव, हाथ पर LOVE लिखा टैटू और हरा सिल्की सूट ही पहचान का एकमात्र सहारा

गाजीपुर, संवादाता महताब आलम। सैदपुर थानाक्षेत्र के मीरपुर तिरवाह गाँव के सामने गंगा नदी में एक अज्ञात महिला का शव फंसा हुआ मिला। जिसके चलते सनसनी फैल गयी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को बाहर निकलवाकर कब्जे में लिया। उसकी शिनाख्त कराने का प्रयास किया लेकिन शिनाख्त न हो सकी। उसकी उम्र करीब 30 वर्ष बताई जा रही है और उसने हरे रंग का पूरी बांह का सिल्की सूट पहना था।

उसके हाथ पर अंग्रेजी में लव लिखा हुआ टैटू बना था। उसके गले का मंगलसूत्र पानी की वजह से उसके मुंह तक आ गया था और मुंह फूल जाने से नाक के पास से फंस गया था। शव देखकर लग रहा था कि उसकी मौत करीब 1 हफ्ते पहले हुई होगी। पानी में होने से कई जगह जंतुओं ने उसे खाया था। कोतवाली योगेंद्र सिंह ने बताया कि शिनाख्त का प्रयास किया जा रहा है।

बालाजी अकैडमी में जी .डी .ए . कोर्स का भव्य शुभारंभ

गोरखपुर, 1 जून 2025। बालाजी अकैडमी, गोरखपुर के सभागार में आज जनरल ड्यूटी असिस्टेंट (GDA) कोर्स का विधिवत उद्घाटन संस्थान के डायरेक्टर शरत चंद्र त्रिपाठी द्वारा किया गया। इस अवसर

पर अपने संबोधन में श्री त्रिपाठी ने कहा कि, गांव और कस्बों में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, जरूरत है उन्हें सही मार्गदर्शन और अवसर देने की। बालाजी अकैडमी इसी सोच के साथ युवाओं को कौशल विकास और रोजगार से जोड़ने का कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि GDA कोर्स विशेष रूप से ऐसे छात्रों के लिए तैयार किया गया है जो स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं। यह कोर्स छात्रों को नर्सिंग और स्वास्थ्य सहायता सेवाओं में व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करेगा जिससे उन्हें अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों में रोजगार के बेहतर अवसर मिल सकें। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों से आए अभिभावकों और छात्रों ने हिस्सा लिया। इस मौके पर सहायक अध्यापक कृति सिंह, साहिबा, क्रिश्चियना रितिका, विशाल, विकास, रवि, जितेन्द्र, शुभम, सर्वेश, शालिनी, ओमनाथ, मनीष, शमशाद, व्यासमुनी सहित अन्य शिक्षकगण भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में छात्रों और अभिभावकों ने संस्थान के इस सराहनीय प्रयास की प्रशंसा की और विश्वास जताया कि यह कोर्स युवाओं को स्वावलंबी बनने की दिशा में एक मजबूत कदम सिद्ध होगा।

अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती पर सृजन कार्यक्रम में चित्रा को सम्मान

गोरखपुर। अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती के अवसर पर एम. ए. एकेडमी, तुर्कमानपुर में सृजन ग्रीष्मकालीन कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस विशेष कार्यक्रम में पिलर्स पब्लिक स्कूल की कक्षा छठवीं की छात्रा चित्रा सिंह को रंगोली कार्यक्रम में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि समाजसेविका सुधा मोदी ने चित्रा सिंह को सम्मानित करते हुए उनकी प्रतिभा की प्रशंसा की। चित्रा के माता-पिता, सीमा सिंह एवं विजय प्रताप सिंह ने अपनी बेटी की इस उपलब्धि पर गर्व जताया। चित्रा बचपन से ही पढ़ाई और कला दोनों में निपुण रही हैं और वे विभिन्न शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों में सक्रिय

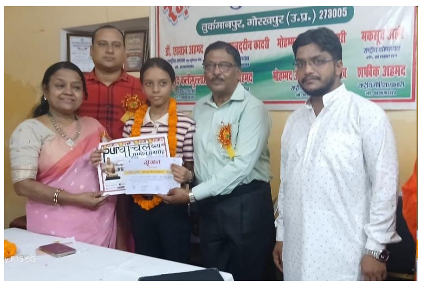

रूप से भाग लेती रहती हैं। कार्यक्रम में पूर्वांचल राज्य ब्यूरो प्रमुख सुनील त्रिपाठी, सजग सर्वजन के संपादक सुशील कुमार सिंह सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। उन्होंने चित्रा की प्रतिभा की सराहना की और उसके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस तरह के सम्मान से न केवल चित्रा के आत्मविश्वास में वृद्धि होगी, बल्कि यह अन्य बच्चों को भी अपने हुनर को निखारने की प्रेरणा देगा। बच्चे समाज का आईना होते हैं, और ऐसे आयोजनों से उनकी प्रतिभा को उभारने में सहायता मिलती है।

रानी अहिल्याबाई होल्कर जयंती पर सपाजनों ने किया श्रद्धांजलि समारोह आयोजित

भगवान शिव की अनन्य भक्त, प्रेम, करुणा और सेवा की प्रतीक थीं रानी अहिल्याबाई : ब्रजेश गौतम

गोरखपुर। समाजवादी पार्टी के बेतियाहाता स्थित कार्यालय पर आज महान वीरांगना एवं धर्मनिष्ठ शासिका रानी अहिल्याबाई होल्कर जी की जयंती बड़े श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस आयोजन की अध्यक्षता सपा जिलाध्यक्ष ब्रजेश कुमार गौतम ने की, जबकि संचालन महानगर अध्यक्ष शब्बीर कुरैशी एवं जिला महासचिव रामनाथ यादव ने किया। कार्यक्रम की शुरूआत रानी अहिल्याबाई के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देने के साथ हुई। इस दौरान सपा नेताओं एवं कार्यकताओं ने उनके जीवन, संघर्ष और महान कार्यों पर प्रकाश डाला।

जिलाध्यक्ष ब्रजेश गौतम ने कहा,

रानी अहिल्याबाई होल्कर न केवल एक न्यायप्रिय और कुशल प्रशासिका थीं, बल्कि वे सेवा, धर्म, करुणा और नेतृत्व की मिसाल थीं। उनका जीवन इस बात का प्रमाण है कि सच्चा नेतृत्व तलवार से नहीं, करुणा और धर्म से होता है।" उन्होंने आगे कहा कि अहिल्याबाई का शासनकाल धार्मिक सहिष्णुता, सामाजिक समरसता और जनकल्याण का आदर्श उदाहरण था। पूर्व जिलाध्यक्ष अवधेश यादव ने कहा कि अहिल्याबाई ने देशभर के प्रमुख मंदिरों जैसे काशी विश्वनाथ, सोमनाथ, द्वारका और उज्जैन महाकाल का पुनर्निर्माण कराया, जिससे उनकी दूरदृष्टि और सांस्कृतिक चेतना का प्रमाण मिलता है। इस मौके पर मौजूद अन्य वक्ताओं ने कहा कि अहिल्याबाई होल्कर ने विधवाओं, निर्धनों, तीर्थयात्रियों और हर वर्ग के कल्याण के लिए योजनाएं चलाईं और अपने राज्य को नीति, धर्म और न्याय पर आधारित शासन का केंद्र बनाया।

उपस्थित प्रमुख लोग:

ब्रजेश कुमार गौतम, शब्बीर कुरैशी, रामनाथ यादव, अवधेश यादव, सुशील जायसवाल, मुन्नीलाल यादव, राजेंद्र यादव, जितेंद्र यादव, राघवेंद्र तिवारी, महेंद्र तिवारी, अंशुमान सिंह, बृजनाथ मौर्य, राम आशीष यादव, सुनील यादव, भृगुनाथ निषाद, अनिल भारती, बालेन्द्र यादव, विक्की निषाद, गोविन्द साहनी, अशोक कुमार, मुन्ना हाशमी, अजय यादव, मोहम्मद फारुक, प्रभुनाथ राम, सलीम शेख, कमलेश सिंह, विमलेश सिंह, जयकुमार, कुलदीप पाल, श्रीकृष्ण, आबिद अली, मनोज निषाद आदि।

थाईलैंड में डॉ. विनय कुमार श्रीवास्तव को डॉक्टरेट की मानद उपाधि से किया गया सम्मानित

गोरखपुर। एक शिक्षक,कवि,साहित्य कार और समाजसेवी के रूप में वैश्विक पहचान और अंतरराष्ट्रीय सम्मान मिला।भारतीय हिंदी साहित्य,समाज सेवा और सांस्कृतिक चेतना के क्षेत्र में विशेष योगदान देने वाले पी.बी.कालेज प्रतापगढ़ के सेवानिवृत्त वरिष्ठ प्रवक्ता,कवि,साहित्यकार,समीक्षक और विभिन्न ख्यातिलब्ध राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सेवा संगठनों के उच्च पदाधिकारी के रूप में अपनी विशिष्ठ पहचान रखने वाले जनपद प्रतापगढ़ के डॉ. विनय कुमार श्रीवास्तव को थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में आयोजित बुद्धा इंटरनेशनल ऑनर सेरेमनी में डॉक्टरेट इन ह्यूमैनिटी की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया।यह उपाधि उन्हें नैतिक लेखन,सामाजिक संवाद और मानवीय मूल्यों की स्थापना में उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान की गई। डॉ. विनय श्रीवास्तव एक संवेदनशील कवि होने के साथ-साथ ऐसे साहित्यकार हैं,जिनकी लेखनी समाज को जोड़ने और विशेष जागरूकता फैलाने का कार्य करती है। उनके विचारों व रचनाओं में राष्ट्रीय चेतना, धार्मिक सौहाद्र, सांस्कृतिक समरसता,राष्ट्रप्रेम एवं श्रृंगार रस,वीररस,सौंदर्य प्रेम,प्रकृति प्रेम,शिक्षा,संस्कार,सेवा भाव, अनुशासन,चरित्र निर्माण और साहित्यिक गरिमा का संगम देखने को मिलता है।यह

उपाधि उन्हें हिज हाइनेस राजा जनरल ग्रैंड मास्टर प्रो. दातो सेरी डॉ. सुमपंद रथफट्टाया डीएससी (थाईलैंड), एचआईआरएच एचई महाराजा पंगेरन ड्यूक प्रिंस राडेन मास नगाबी (मलेशिया), थाईलैंड सरकार के पुलिस सलाहकार पोल. लेफ्टिनेंट कर्नल डॉ. मोनरुडी सोमार्ट,बौद्ध धर्मगुरु फ्रा अचन विचैन और भारत देश से धराधाम इंटरनेशनल के मानद कुलपति प्रो. डॉ. सौरभ पाण्डेय महाराज की उपस्थिति में प्रदान की गई।इस भव्य और ऐतिहासिक अवसर पर भारत सहित कई देशों के धार्मिक गुरु,लेखक,सामाजिक कार्यकर्ता एवं विभिन्न अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों की उपस्थिति रही। सभी ने डॉ. विनय श्रीवास्तव को इस उपलब्धि पर हार्दिक बधाई एवं अशेष शुभकामनाएं दी और इसे भारतीय सांस्कृतिक विचारधारा की वैश्विक स्वीकृति के रूप में सराहा.डॉ. श्रीवास्तव को थाईलैंड की राजधानी बैंकाक में मिले इस मान सम्मान से स्वजनों,परिजनों,रिश्तेदारों,इष्टमित्रों,विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों व सैकड़ों शिक्षकों ने अपनी खुशी व्यक्त किया.

Complainants are facing water crisis in Shankargarh block headquarters, there is no arrangement of drinking water

The hand pump installed in the block premises has lost the battle with life
Complainants wandering from door to door for water are buying water with money

Shankargarh (Prayagraj). The entire Patha region of Yamunanagar Shankargarh of the district is facing a severe water crisis. There is a lot of anger among the public regarding water. People from 76 gram panchayats reach Block Shankargarh with all kinds of problems, but the situation is such that the hand pipe installed in the block premises has given up on its life and is spitting out iron rust. People who come to the block are seen wandering here and there for water in the scorching heat. The promise of providing water to the complainants coming from 76 gram panchayats seems to be falling apart. The public is asking when their desire to drink water in the block premises will be fulfilled. The public is holding the departmental officers responsible for this. Let us tell you that water tank and water cooler have been installed behind the block but the general public does not have access to it because people do not know that water is available behind the block premises. Because no sign has been given. And the hand pipe installed near the temple in front of the block premises is forced to shed tears over its helplessness. Due to lack of water, when people come to worship in the temple, they do not get water to offer. But the responsible officers are not even bothered. Due to non-availability of pure water, people are forced to quench their thirst by buying water with money. In this regard, when Block Development Officer Shankargarh Manoj Kumar Patel was talked to months ago, he told that the water level has gone down very low and arrangements will be made to install submersible in the hand pump which is damaged. The water tank is running on solar energy which is behind the block, a sign will be installed immediately in it and arrangement for drinking water will be made. But the situation is such that despite months passing, the problem of water remains the same and till now the problem has not been resolved. They are only giving assurances but the matter is not being implemented. Despite the news being published in the daily newspapers, the responsible people do not seem to be waking up from their deep slumber.

Ruckus in BJP Over Prayagraj Municipal Elections

By: Manish Susari, Zonal Bureau Incharge, Prayagraj

Prayagraj, 31 May | With executive member elections scheduled on June 2, BJP councillors in Prayagraj Municipal Corporation are engaged in intense lobbying. Out of 100 councillors, 67 belong to BJP, making it the majority, but internal tussles are heating up as over 20 leaders vie for 6 vacant executive seats.

Senior leaders like Kusumlata, Ashish Dwivedi, and others are actively staking claims. Despite Mayor Ganesh Kesarwani's appeal for unity, political maneuvering continues. SP councillors Nem Yadav and Rameez Hasan, along with independent Anand Ghildiyal, are also key contenders.""112 voters, including councillors, MLAs, and MPs, will vote. The results will shape the next leadership phase in the Municipal Corporation.

Summer Camp Promotes Environmental Awareness, Water Conservation, and Child Rights in Gorakhpur Village

Gorakhpur | A summer camp is being organized under the guidance of social worker Shiv Shankar Yadav in Gram Panchayat Jungle Tinkonia No. 2, Gorakhpur district. The camp, which began on May 25, is set to conclude on June 5, in observance of World Environment Day.""Shiv Shankar Yadav informed that the camp is being conducted amidst the natural greenery of village orchards and nearby forested areas, with the aim of promoting holistic development of children. The program focuses on a variety of essential themes including physical fitness through running and outdoor games, environmental and water conservation education, and practical training on these issues.""Children are also being sensitized about their rights, with special sessions on 'Good Touch and Bad Touch', safety education, and fostering discipline and collective cooperation. Particular emphasis is being placed on boosting confidence among young girls and helping them overcome hesitation in social settings.""This camp not only encourages physical and mental development but also nurtures self-reliance and leadership qualities among village children. Organizers believe that such initiatives will help shape the participating children into confident and empowered citizens of tomorrow.""This community-driven program exemplifies how grassroots efforts can make a meaningful impact in shaping young minds for a brighter and more responsible future.

Uttar Pradesh Transport Service Begins Between Zero Road and Shankargarh – City Residents Rejoice

Prayagraj, 31st May 2025 | In a major step towards improving regional connectivity, the Uttar Pradesh State Transport Corporation today officially launched regular bus services between Zero Road Depot and Shankargarh, including Cha Kaghat. The move has created a wave of happiness among local residents and traders.

Under the leadership of Manish Susari, Mandal Incharge, Prayagraj, the first bus was flagged off with great enthusiasm. As the bus reached Ram Bhavan Square in Shankargarh, members of the Vyapar Mandal (Trade Association), along with locals, welcomed the bus and its driver-conductor duo with traditional "baati mithai" (a local sweet delicacy).

To mark the inauguration, tickets were ceremonially issued and prasad was distributed, symbolizing the beginning of a much-awaited transport facility. The atmosphere was celebratory, with both traders and residents expressing heartfelt gratitude to the Uttar Pradesh government, Prayagraj Mayor Shri Ganesh Kesarwani, and Bara MLA Shri Vachaspati for making the service a reality.

This new transport initiative is expected to enhance daily commute convenience for thousands, connecting interior regions like Shankargarh more efficiently with Prayagraj city. The bus will operate with multiple trips every day, offering both accessibility and comfort.

Local citizens, speaking to the media, hailed this initiative as a boost to economic activity, ease of travel, and overall development of the region.

Negligence in Swachh Bharat Abhiyan: Nagar Panchayat Officials Under Scrutiny

Prayagraj, Shankargarh (31 May 2025) | The lofty goals of the Swachh Bharat Abhiyan are facing a major setback in the Adarsh Nagar Panchayat Shankargarh region, as severe negligence by local officials has led to growing piles of garbage right beside the Shankargarh Women's Hospital. The Executive Officer (EO) and Chairman of the Nagar Panchayat are facing sharp criticism for failing to maintain basic cleanliness and safety standards in the area.

Despite being near a sensitive healthcare facility, the lanes are overflowing with garbage, and the Sulabh Complex area is turning into a smoke zone as waste is being burned openly, creating dangerous levels of air pollution. Residents are complaining about a serious health hazard, especially for patients and women visiting the hospital.

Locals allege that this gross indifference is not just due to administrative laziness but also possibly a symptom of deeper corruption. Burning garbage in residential areas is not only illegal but a potential threat to life and property, yet no preventive action has been taken. "It's like living on a ticking time bomb," said a nearby shopkeeper.

People are questioning whether there is a deliberate cover-up by the EO and Chairman, as no visible attempts are being made to resolve the issue. The residents demand urgent intervention from higher authorities before this environmental neglect turns into a public health disaster.

The visuals emerging from what should be an 'Adarsh' (ideal) Nagar Panchayat speak volumes about its broken system and the crumbling promise of cleanliness.

Office Bearers of Khariya Pokhara Jan Kalyan Samiti Meet Chief Minister During Gorakhpur Visit

Gorakhpur | During his recent visit to Gorakhpur, Chief Minister Yogi Adityanath met with the office bearers of the Khariya Pokhara Jan Kalyan Samiti at the Gorakhnath Temple. The committee members apprised the Chief Minister of various public issues affecting the local community. In response, Chief Minister Yogi Adityanath assured immediate action and instructed the concerned officials to address the issues promptly. He emphasized that the resolution of public grievances remains the top priority of his government. On this occasion, the committee members presented a memento to the Chief Minister as a token of respect and expressed gratitude for his guidance and blessings. Present during the meeting were Dr. D.N. Tripathi (President), Pradeep Kumar Srivastava (Secretary), Suryaprakash Gupta (Treasurer), Harsh Gupta (Joint Secretary), and Rajeev Chaurasia (Member). The interaction highlighted the committee's commitment to community welfare and the government's responsiveness to grassroots concerns.

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, शक्ति शंकर द्वारा फाईन आफसेट प्रिंटर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्शीपुर, जनपद–गोरखपुर से मुद्रित कराकर, मुहल्ला–द्वितीय तल पुष्पांजलि काम्प्लेक्स शाही मार्केट, गोलघर, जनपद–गोरखपुर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक :
शक्ति शंकर
मो नं.
7233999001

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र गोरखपुर न्यायालय होगा।